mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-193 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
14 जुलाई 2026 मंगलवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

पुलिस बोली: बद्रीनाथ मंदिर समिति के कर्मचारी ने की चोरी

» मोबाइल के नीचे छिपाकर ले जाता था 500 के नोट और सोना-चांदी; देहरादून से गिरफ्तार

चमोली,एजेंसी। बद्रीनाथ धाम में चढ़ावा चोरी के मामले में चमोली पुलिस की SIT ने बद्री-केदार मंदिर समिति (BKTC) के निलंबित पर्सनल असिस्टेंट प्रमोद नौटियाल को गिरफ्तार कर लिया है। SIT ने उन्हें 12 जुलाई की रात करीब 10 बजे देहरादून के नेहरू कॉलोनी स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया।

उन्हें चमोली लाया गया, जहां बद्रीनाथ थाने में उनसे और मंदिर समिति के चार कर्मचारियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, SIT की टीम सादी वर्दी में देहरादून पहुंची थी। बद्रीनाथ थाने में पूछताछ के दौरान जब प्रमोद नौटियाल से पूछा गया कि क्या चढ़ावा चोरी के मामले में मंदिर समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी भी शामिल हैं, तो उन्होंने सिर हिलाकर नहीं में जवाब दिया।

चमोली पुलिस के अनुसार, 8 जुलाई को प्रभारी मंदिर अधिकारी युद्धवीर पुष्पवाण की शिकायत पर बद्रीनाथ कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया था। SP सुरजीत सिंह पंवार के निर्देश पर गठित SIT ने सीसीटीवी फुटेज, गवाहों के बयान और अन्य साक्ष्यों की जांच की। जांच में प्रमोद नौटियाल को कई बार मोबाइल के नीचे और जेब में मंदिर की धनराशि व अन्य भेंट सामग्री ले जाते हुए पाया गया। पुलिस के मुताबिक, उन्होंने 500 के नोट, सोना-चांदी के सिक्कों के पैकेट, शालिग्राम शिला और केसर का पैकेट भी अवैध रूप से अपने कब्जे में लिया था।

7 दिन में फिर रफ्तार पकड़ेगा मानसून

अभी राजस्थान-गुजरात समेत कई राज्यों में कमजोर यूपी-बिहार समेत 18 राज्यों में बारिश का रेड अलर्ट

नई दिल्ली,एजेंसी। राजस्थान, गुजरात और उत्तर-पश्चिम भारत के कई हिस्सों में बीते 3-4 दिनों में कमजोर पड़ा मानसून 20 जुलाई से फिर रफ्तार पकड़ेगा। सैटेलाइट इमेज में पूर्वी, मध्य और पूर्वोत्तर भारत के ऊपर घने बादल दिखाई दे रहे हैं।

मौसम विभाग के मुताबिक, बांग्लादेश और पूर्वोत्तर के ऊपर बने चक्रवाती सिस्टम और पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) के कारण अगले कुछ दिनों में बारिश की गतिविधियां तेज होंगी। मौसम विभाग ने आज उत्तर प्रदेश, बिहार समेत 18 राज्यों में बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल, पूर्वोत्तर राज्यों और पूर्वी उत्तर प्रदेश में अगले 6-7 दिनों तक कई जगह अच्छी से भारी बारिश होने का अनुमान है।

हरियाणा में हिमाचल से आ रहे पानी के कारण यमुना और मारकंडा नदी में पानी बढ़ गया है। इससे कई गांवों में बाढ़ जैसे हालात हैं। दिल्ली में बारिश से यमुना का जलस्तर बढ़ गया है।

उत्तराखंड में लैंडस्लाइड से 126 सड़कें बंद...
उत्तराखंड में लगातार बारिश के कारण कई जगह लैंडस्लाइड हुई है। 2 नेशनल हाईवे समेत 126 सड़कें बंद हैं। स्यानाचट्टी के पास ऋषिकेश-यमुनोत्री हाईवे रविवार को लगातार तीसरे दिन भी बंद रहा।

अमरनाथ यात्रा में कोई कचरा नहीं फैलेगा

● ऐसा करने वाली देश की पहली धार्मिक यात्रा ● 4 लाख से ज्यादा श्रद्धालु शामिल

जम्मू,एजेंसी। अमरनाथ यात्रा देश की पहली 'जीरो लैंडफिल पिलग्रिमेज' बनने जा रही है। तीन जुलाई से 28 अगस्त तक चलने वाली इस यात्रा में चार लाख से ज्यादा श्रद्धालु शामिल होंगे। बावजूद इसके कोई कचरा लैंडफिल में नहीं जाएगा।

जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने श्री अमरनाथ जी यात्रा-2026 को 'जीरो लैंडफिल पिलग्रिमेज' बनाने का लक्ष्य तय किया है। इसके तहत यात्रा मार्ग पर निकलने वाले कचरे को संसाधन में बदला जा रहा है। खच्चरों के गोबर से बायोगैस बनाई जाएगी।

प्लास्टिक कचरे को कम करने के लिए वाटर एटीएम लगाए गए हैं और पूरे मार्ग पर वैज्ञानिक तरीके से ठोस व तरल कचरे का प्रबंधन किया जा रहा है। यह पहल स्वाहा रिसोर्स मैनेजमेंट और जम्मू-कश्मीर के ग्रामीण स्वच्छता विभाग कर रहा है।

700 मीट्रिक टन कचरा निकलेगा: अनुमान है कि यहां करीब 700 मीट्रिक टन कचरा निकलेगा। इसके लिए बालटाल व पहलगाम दोनों मार्गों पर डस्टबिन लगाए हैं और विशेष सफाई दल तैनात किए गए हैं, जो ठोस और तरल दोनों प्रकार के कचरे का संग्रह और वैज्ञानिक निस्तारण कर रहे हैं। ग्रामीण स्वच्छता विभाग की महानिदेशक अनु मल्होत्रा बताती हैं कि यात्रा शुरू होने के पहले दिन से ही सफाईकर्मी लगातार कचरा एकत्र कर रहे हैं और हाई-एंड मशीनों के जरिए उसका वैज्ञानिक प्रसंस्करण किया जा रहा है।

अमरनाथ गुफा में शिवलिंग पूरी तरह पिघला: अमरनाथ गुफा में प्राकृतिक बर्फ का शिवलिंग लगभग पूरी तरह पिघल गया है। अभी यात्रा के पांच दिन ही बीते हैं। 57 दिन चलने वाली यात्रा 3 जुलाई से शुरू हुई थी। यात्रा के पहले चार दिनों में करीब 86 हजार श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा में दर्शन किए। अधिकारियों के अनुसार, मंगलवार को पांचवें दिन यह संख्या 1 लाख के पार पहुंचने की उम्मीद है। यात्रा के लिए इस साल 4 लाख श्रद्धालुओं ने रजिस्ट्रेशन कराया है। यानी कि अभी 3 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं का दर्शन करना बाकी है।

: ब्रीफ बॉक्स :

'मिसाइल सीधे आतंकवादी की खटिया में लगेगी'

डिप्टी सीएम बोले- लखनऊ ब्रह्मोस भी बना रहा, पड़ोसी को उल्टा बयाना मिलेगा

लखनऊ,एजेंसी। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने सोमवार को लखनऊ में कहा है कि लखनऊ के लिए पहले कहा जाता था कि मुस्कुराइए आप लखनऊ में हैं। अब यहां रक्षामंत्री की वजह से मिसाइलें बन रही हैं। अब अगर पड़ोसी गड़बड़ करेगा तो उसे मुस्कुराने का जरूरत नहीं है। उसे उल्टा बयाना मिल सकता है।

ब्रह्मोस मिसाइल से निशाना लगाने की भी जरूरत नहीं। सीधे कंप्यूटर से निशाना लगता है। बस कंप्यूटर से सेट कर देंगे कि आतंकवादी वहां सो रहा है। उसके कमरे में घुसते हुए सीधे खटिया में मिसाइल लग जाएगी। डिप्टी सीएम ने यह बात सोमवार को चत्तरू के 22वें दीक्षांत समारोह में कही। समारोह में कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने मेधावियों को 54 मेडल और 1701 लोगों को डिग्रियां दीं। इनमें 975 छात्र और 726 छात्राएं हैं। अटल बिहारी वाजपेयी कन्वेंशन सेंटर में आयोजित दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि रक्षामंत्री राजनाथ सिंह हैं।

अफगानी कृषि मंत्री ने शिवराज सिंह से सहयोग बढ़ाने पर की वार्ता

नई दिल्ली,एजेंसी। अफगानिस्तान के कृषि, सिंचाई और पशुपालन मंत्री मौलवी अताउल्लाह ओमारी ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ वार्ता की और सहयोग के नए रास्तों की खोज की। ओमारी सात से 12 जुलाई तक भारत दौरे पर रहे। विदेश मंत्रालय ने रविवार को एक बयान में बताया कि अफगान मंत्री के साथ एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी था। यह अक्टूबर 2025 के बाद से भारत में अफगानिस्तान का चौथा मंत्रीस्तरीय दौरा था, जो द्विपक्षीय संबंधों में 'जारी गति' को दर्शाता है।

इस दौरान अफगान मंत्री ने केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने चल रहे सहयोग की समीक्षा की और कृषि, सिंचाई, पशुपालन, कृषि अनुसंधान, शिक्षा, क्षमता निर्माण और कृषि व्यापार में सहयोग के नए रास्तों की खोज की।

काशी, मथुरा और संभल विवाद

हिंदू-मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट की मध्यस्थता का प्रस्ताव ठुकराया, कहा- केस लड़कर फैसला चाहते हैं

वाराणसी/मथुरा/संभल,एजेंसी। यूपी के तीन मंदिर-मस्जिद विवादों को लेकर हिंदू और मुस्लिम पक्ष ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट की मध्यस्थता का प्रस्ताव ठुकरा दिया है।

ये तीनों विवाद वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद, मथुरा की श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह और संभल की शाही जामा मस्जिद से जुड़े हैं।

बार एंड बेंच के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट ने इन मामलों के शांतिपूर्ण समाधान के लिए 'समाधान समारोह 2026' पहल के तहत लेटर भेजकर मध्यस्थता का प्रस्ताव दिया था और दोनों पक्षों से सहमति मांगी थी। हालांकि, किसी भी पक्ष ने इसके लिए सहमति नहीं दी। कोर्ट ने यह लेटर कब भेजा था, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। दोनों पक्षों ने कहा है कि वे अदालत में ही केस लड़कर फैसला चाहते हैं। दरअसल सुप्रीम कोर्ट परिसर में 21 से 23 अगस्त तक 'समाधान समारोह' के तहत विशेष लोक अदालत आयोजित की जाएगी। इसका उद्देश्य लंबी कानूनी लड़ाई के बजाय बातचीत के जरिए हल निकालना है।

विवाद क्या है: वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर के बगल में स्थित ज्ञानवापी मस्जिद को लेकर विवाद है। हिंदू पक्ष का दावा है कि 17वीं शताब्दी में मुगल शासक औरंगजेब ने यहां मौजूद प्राचीन विश्वेश्वर (काशी विश्वनाथ) मंदिर को आंशिक रूप से ध्वस्त कर मस्जिद बनवाई थी।

हिंदू पक्ष की मांग:
- ज्ञानवापी परिसर को प्राचीन विश्वेश्वर मंदिर घोषित किया जाए।
- मस्जिद परिसर में नियमित पूजा की अनुमति मिले।
- परिसर में मिले धार्मिक अवशेषों को मंदिर का हिस्सा माना जाए।

मुस्लिम पक्ष की मांग:
- ज्ञानवापी को मस्जिद के रूप में बरकरार रखा जाए।
- पूजा स्थल अधिनियम, 1991 के तहत नए दावों को खारिज किया जाए।
- मस्जिद में मुस्लिमों के नमाज के अधिकार सुरक्षित रहें।

रामंदिर चढ़ावा चोरी- ट्रस्ट ने सीईओ की भर्ती निकाली

सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी से रिपोर्ट मांगी, पूछा- जांच अधिकारी कौन; 20 को अगली सुनवाई

अयोध्या,एजेंसी। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को यूपी, केंद्र सरकार और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को नोटिस जारी किया। यूपी सरकार की तरफ से बनाई गई स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) से अब तक की जांच की स्टेटस रिपोर्ट मांगी। कहा- रिपोर्ट में जांच अधिकारियों के बारे में भी बताएं। कोर्ट ने मामले से जुड़े CCTV सुरक्षित रखने का भी निर्देश दिया। सरकार की तरफ से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा- स्टेटस रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में पेश की जाएगी।

इस पर कोर्ट ने साफ किया कि रिपोर्ट में SIT के गठन और उसकी संरचना की पूरी जानकारी होनी चाहिए। कोर्ट ने अगली सुनवाई 20 जुलाई को तय की। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच 4 अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। याचिकाओं में जांच CBI को सौंपने के अलावा मंदिर में दान के प्रबंधन से जुड़े अलग-अलग विषयों की समीक्षा के लिए एक्सपर्ट कमेटी बनाने की मांग की गई है।

वहीं, अयोध्या पुलिस मामले में गिरफ्तार सभी 8 आरोपियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश करेगी। इनकी रिमांड आज खत्म हो रही है। इस दौरान पुलिस मंदिर ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय के करीबी रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू और चढ़ावा गिनती के प्रभारी रहे सुभाष श्रीवास्तव की 7 दिन की रिमांड मांग सकती है।

इससे पहले, पुलिस ने आरोपी अविनाश, अनुकल्प, लवकुश और करुणेश को रिमांड पर लेकर पूछताछ की थी। चढ़ावा चोरी के आरोपियों को फैजाबाद जेल में अलग-अलग बैरक में रखा गया है।

दावा-रूस का सबसे सीक्रेट प्लेन ईरान पहुंचा

हवा में रहकर जंग कंट्रोल कर सकता है

» अमेरिका का 24 घंटे में 140 ईरानी ठिकानों पर हमला

तेल अवीव/ तेहरान/ वॉशिंगटन डीसी,एजेंसी। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच रूस ने अपना बेहद सुरक्षित Tu-214PU एयरबोर्न कमांड विमान तेहरान भेजा है। दुनिया भर में उड़ रहे विमानों की रियल-टाइम लोकेशन दिखाने वाली वेबसाइट फ्लाइटराडार24 ने यह दावा किया है।

Tu-214PU सामान्य VIP प्लेन नहीं है। इसमें सुरक्षित और एन्क्रिप्टेड कम्युनिकेशन सिस्टम, कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम और स्पेशल डेटा लिंक लगे हैं। इनकी मदद से संकट की स्थिति में भी रूस का टॉप लीडर उड़ान के दौरान सेना और सरकार का संचालन कर सकते हैं।

इसी वजह से इसे रूस का 'डूम्सडे प्लेन' यानी कि 'प्रलय के दिन इस्तेमाल होने वाला विमान' भी कहा जाता है। यह विमान रोसिया स्पेशल फ्लाइट स्क्वाड्रन संचालित करता है। यही स्क्वाड्रन रूस के राष्ट्रपति और देश के शीर्ष राजनीतिक व सैन्य नेतृत्व की उड़ानों का जिम्मा संभालता है।

Tu-214PU के मिशनों का पूरा रिकॉर्ड सार्वजनिक नहीं किया जाता। हालांकि यूक्रेन जंग के दौरान यह विमान कई बार उड़ान भरता देखा गया। रूस के पास ऐसे कितने विमान हैं, इसकी भी जानकारी सार्वजनिक नहीं है। यह प्लेन ऐसे समय तेहरान पहुंचा है, जब अमेरिका ईरान के सैन्य ठिकानों पर लगातार हमले कर रहा है और ईरान जवाबी कार्रवाई कर रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस विमान का तेहरान पहुंचना एक बड़ा रणनीतिक संकेत है। इससे यह संदेश जाता है कि रूस, ईरान के साथ उच्च स्तर पर संपर्क बनाए हुए है।

ईरान और अमेरिका के बीच जंग लगातार जारी है। अमेरिका ने रविवार को ईरान में 140 ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए। इसके जवाब में ईरान ने सोमवार को कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले का दावा किया।

सुप्रीम कोर्ट की गो हत्या बैन के आदेश पर रोक

=कहा- इसमें सुधार की जरूरत, मद्रास हाईकोर्ट ने कहा था- ये इस्लाम में जरूरी प्रथा नहीं

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मद्रास हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें तमिलनाडु सरकार को बकरीद या किसी भी दिन राज्य में गाय-बछड़ों के वध पर रोक सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस आदेश में सुधार की जरूरत है। राज्य सरकार ने मद्रास हाईकोर्ट के 27 मई के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। याचिका में कहा गया कि जब कानून तय श्रेणी की गायों के वध की अनुमति देता है, और उसके लिए निर्धारित स्थान भी तय हैं, तब अदालत का ऐसा निर्देश कानून के प्रावधानों के विपरीत है। इसे कायम नहीं रखा जा सकता। जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच ने आज इस मामले में नोटिस जारी किया और हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी।

मद्रास हाईकोर्ट ने कुर्बानी रोकने को कहा था: मद्रास हाईकोर्ट ने 27 मई को (बकरीद से एक दिन पहले) तमिलनाडु सरकार को निर्देश दिया था कि राज्य में बकरीद या किसी अन्य दिन गाय और बछड़ों की कुर्बानी न हो। जस्टिस जीआर स्वामीनाथन और जस्टिस वी लक्ष्मीनारायण की बेंच ने कहा- संविधान सभा की बहस में कहा गया था कि गाय भारत में पूजनीय मानी जाती है। भगवान कृष्ण के समय से हमारी संस्कृति का हिस्सा रही है। कई मुस्लिम शासकों ने भी गोहत्या पर रोक लगाई थी। महात्मा गांधी भी गो संरक्षण को बहुत महत्वपूर्ण मानते थे।

इसमें कहा गया है कि 10 साल से ज्यादा उम्र और प्रजनन के अयोग्य पशु को ही प्रमाणपत्र मिलने के बाद काटा जा सकता है। अदालत ने कहा कि इस प्रावधान की सख्ती से व्याख्या होनी चाहिए। कोर्ट ने कहा था कि अगर किसी पशु की कुर्बानी दी जाती है तो वह केवल निर्धारित जगहों पर ही होनी चाहिए। सार्वजनिक स्थानों या सड़कों पर ऐसा नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी कहा था कि संविधान सभा की बहस के दौरान भी इस बात पर जोर दिया गया था कि गाय भारतीय सभ्यता में पूजनीय रही है और भगवान कृष्ण के समय से उसका विशेष महत्व रहा है। यह जानकारी अदालत में दाखिल याचिका और न्यायिक आदेश के आधार पर सामने आई है।

हाईकोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 48 का हवाला दिया था... हाईकोर्ट ने कहा था कि संविधान का अनुच्छेद 48 राज्य सरकार को गाय, बछड़ों और दुधारू-पशुओं की सुरक्षा के लिए कदम उठाने का निर्देश देता है। कोर्ट ने तमिलनाडु एनिमल प्रिजर्वेशन एक्ट, 1958 की धारा-4 का उल्लेख किया।

सुप्रीम कोर्ट बोला: नागरिकता का फैसला निष्पक्ष प्रक्रिया से हो

» असम में विदेशी घोषित 27 लोगों को राहत; हाईकोर्ट का फैसला रद्द, दोबारा सुनवाई होगी

नई दिल्ली,एजेंसी । सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को असम के 27 लोगों को विदेशी घोषित करने से जुड़े मामलों में गुवाहाटी हाईकोर्ट के फैसले रद्द कर दिए। कोर्ट ने कहा कि किसी व्यक्ति की नागरिकता या विदेशी होने का फैसला निष्पक्ष, कानूनी और उचित प्रक्रिया के तहत ही होना चाहिए।

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने मामले की सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि नागरिकता और विदेशी होने का सवाल संविधान और कानून से जुड़ा बेहद महत्वपूर्ण विषय है। सभी मामले दोबारा सुनवाई के लिए फॉरेनर्स ट्रिब्यूनल को भेज दिए गए हैं।

इन लोगों को फॉरेनर्स ट्रिब्यूनल ने विदेशी घोषित किया था। उन्होंने इस फैसले को गुवाहाटी हाईकोर्ट में चुनौती दी, लेकिन हाईकोर्ट ने ट्रिब्यूनल के फैसले को बरकरार रखा। इसके बाद सभी ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की।

आखिरी बातचीत में मां से मांगे थे 6000 रुपये', हैदराबाद के छात्र की फिनलैंड में मौत पर परिवार ने उठाए सवाल

हेलसिंकी/हैदराबाद, एजेंसी। फिनलैंड में रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हुए हैदराबाद के 18 वर्षीय छात्र मनीदीप रेड्डी गुज्जा को दो महीने से अधिक समय के बाद शुक्रवार को आधिकारिक तौर पर मृत घोषित कर दिया गया।

फिनलैंड के नेशनल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन की इस घोषणा ने उस दर्दनाक खोज को खत्म कर दिया है, जिसने उनके परिवार को हताश कर दिया था।

हालांकि, फिनिश अधिकारियों का कहना है कि मौत के पीछे किसी अपराध के संकेत नहीं हैं, लेकिन मनीदीप के परिवार ने साजिश का आरोप लगाते हुए स्वतंत्र जांच की मांग की है। मनीदीप रेड्डी हैदराबाद के रहने वाले थे और फिनलैंड की लैपेनरंता-लाहटी यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी से इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे थे। वह 4 मई से लापता थे।

उंगलियों के निशान से हुई पहचान

9 जुलाई को मनीदीप के परिवार को से एक ईमेल मिला, जिसमें बताया गया कि उस जगह के पास समुद्र से एक अज्ञात युवक का शव बरामद हुआ है, जहां मनीदीप को आखिरी बार देखा गया था। शुक्रवार शाम को अधिकारियों ने परिवार को सूचित किया कि आधिकारिक पहचान प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। मिली जानकारी के अनुसार, उंगलियों के निशान के मिलान से यह पुष्टि हुई कि शव मनीदीप का ही था, क्योंकि उनके फिंगरप्रिंट फिनिश आव्रजन रजिस्टर के रिकॉर्ड से मेल खा गए।

वॉलेट से मिले पहचान पत्र और भारतीय रुपया

फिनिश अधिकारियों ने परिवार को यह भी बताया कि मृतक के शरीर से एक वॉलेट बरामद हुआ है, जिसमें मनीदीप के नाम का फिनिश पहचान पत्र था। इसके अलावा, वॉलेट में मनीदीप की मां का एक क्रेडिट कार्ड और लगभग 500 रुपये की भारतीय मुद्रा भी पाई गई। फिनिश पुलिस के मुताबिक, फिलहाल ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है जो किसी आपराधिक घटना की ओर इशारा करता हो। अधिकारियों ने कहा कि मौत के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए अगले सप्ताह फॉरेंसिक पोस्टमार्टम किया जाएगा। पुलिस द्वारा भेजे गए ईमेल में यह भी कहा गया है कि हेलसिंकी में स्थित भारतीय दूतावास को इस घटनाक्रम की जानकारी दे दी जाएगी।

परिवार ने उठाए सवाल, विदेश मंत्रालय से गुहार

इस सबके बीच, मनीदीप के परिवार का कहना है कि अभी भी कई सवाल अनुत्तरित हैं और उन्होंने जांच के निष्कर्षों पर संदेह व्यक्त किया है। परिवार ने कहा कि हमें कोई भी तस्वीर या अन्य भौतिक सबूत नहीं दिखाए गए हैं। हम भारत के विदेश मंत्रालय से अपील करते हैं कि वे इस मामले का संज्ञान लें और इन विवरणों की स्वतंत्र रूप से आगे जांच करवाएं।

100 किलोमीटर का रहस्यमयी सफर

मनीदीप 4 मई को अपनी मां से फोन पर बात करने के तुरंत बाद लापता हो गए थे। पुलिस और माता-पिता द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, वह उस दिन दोस्तों के साथ एक गैदरिंग में शामिल हुए थे। अपनी आखिरी बातचीत में उन्होंने अपनी मां से 6,000 रुपये ट्रांसफर करने के लिए कहा था। हालांकि पैसे उनके खाते में आ गए थे, लेकिन बैंक रिकॉर्ड से पता चला कि उन पैसों का कभी इस्तेमाल ही नहीं किया गया। जांचकर्ताओं को पहले यह भी पता चला था कि मनीदीप अपने दोस्त के साथ साझा किए जाने वाले कमरे से करीब 100 किलोमीटर दूर चले गए थे। उस बिंदु के आगे अधिकारी उनकी आवाजाही का पता लगाने में असमर्थ रहे, और जब तक उनका शव उनके आखिरी ज्ञात स्थान के पास से बरामद नहीं हुआ, तब तक उनका कोई सुराग नहीं मिला था।

दिल्ली एचसी का बड़ा फैसला, सरकारी गवाह पर मुकदमे के दौरान ही सवाल उठा सकता है सह-आरोपित; याचिका खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी। किसी आपराधिक मामले में सह-आरोपित को दूसरे आरोपित की माफी याचिका का विरोध करने का अधिकार नहीं है। दिल्ली हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया कि माफी मिलने के बाद सरकारी गवाह बने सह-आरोपित की गवाही की विश्वसनीयता को मुकदमे के दौरान जिरह के जरिये चुनौती दी जा सकती है।

सीआरपीसी की धारा 306 पर अदालत की टिप्पणी: न्यायमूर्ति जसमीत सिंह ने कहा कि दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 306 प्रत्येक सह-आरोपित को माफी की कार्यवाही में सुनवाई का अधिकार नहीं देती। किसी आरोपित को माफी देना अपने आप में अन्य सह-आरोपितों के हितों के खिलाफ नहीं है और न ही इससे उनकी दोषसिद्धि हो जाती है।

● मुकदमे के दौरान उठाए जा सकते हैं सवाल

अदालत ने कहा कि सरकारी गवाह का बयान मुकदमे के दौरान दर्ज होता है और सह-आरोपितों को उससे जिरह करने का पूरा अवसर मिलता है। इसी स्तर पर उसकी विश्वसनीयता और गवाही की सत्यता पर सवाल उठाए जा सकते हैं।

● मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हुई सुनवाई

हाई कोर्ट मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में आरोपित कंपनी की अर्जी पर सुनवाई कर रहा था। कंपनी ने वर्ष 2024 के उस आदेश को वापस लेने की मांग की थी, जिसमें एक अन्य आरोपित को माफी देकर सरकारी गवाह बनने की अनुमति दी गई थी। कंपनी का तर्क था कि वह मामले में आवश्यक पक्षकार थी, लेकिन आदेश पारित करने से पहले उसे सुनवाई का अवसर नहीं दिया गया।

● हाई कोर्ट ने अर्जी खारिज की

हाई कोर्ट ने कंपनी की आशंकाओं को समय से पहले बताते हुए कहा कि आवेदक और अन्य सह-आरोपितों को मुकदमे के दौरान सरकारी गवाह से जिरह करने और उसकी गवाही की विश्वसनीयता को चुनौती देने का पर्याप्त अवसर मिलेगा। अदालत ने आदेश में किसी प्रक्रियागत खामी या प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन नहीं पाते हुए अर्जी खारिज कर दी।

अगर मेरी सलाह मान ली होती तो पीएम होते, रामदास आठवले ने दिया शरद पवार को एनडीए में आने का न्योता

मुंबई, एजेंसी। राष्ट्रवादी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शरद पवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में शामिल होने का केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास आठवले ने खुला आमंत्रण दिया है। आठवले ने कहा कि पवार के लंबे राजनीतिक अनुभव का फायदा देश और महाराष्ट्र की राजनीति को मिल सकता है। रामदास आठवले ने कहा कि शरद पवार देश के वरिष्ठ और अनुभवी राजनेताओं में से एक हैं। उन्होंने कई वर्षों तक महाराष्ट्र के साथ-साथ राष्ट्रीय राजनीति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अगर पवार ह्रष्ठ के साथ आते हैं, तो इसका फायदा सरकार और देश के विकास कार्यों को मिल सकता है। आठवले ने अपने पुराने राजनीतिक संबंधों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'जब हम पवार साहब के साथ थे, तब मैंने उन्हें कांग्रेस में विलय करने की सलाह दी थी। अगर उन्होंने वह सलाह मान ली होती, तो शायद वह देश के प्रधानमंत्री बन गए होते।' शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) फिलहाल विपक्ष की राजनीति में सक्रिय है। महाराष्ट्र में महाविकास आघाड़ी के माध्यम से शरद पवार भाजपा और महायुति के खिलाफ अपनी राजनीतिक भूमिका निभा रहे हैं। ऐसे समय में रामदास आठवले के इस बयान से महाराष्ट्र की राजनीति में नई चर्चाएं शुरू हो गई हैं। हालांकि, शरद पवार या उनकी पार्टी की ओर से रामदास आठवले के इस आमंत्रण पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। लेकिन बदलते राजनीतिक समीकरणों के बीच आठवले के इस बयान पर राजनीतिक गलियारों की नजर बनी हुई है।

ट्रेनों में बिना टिकट सफर करने वालों की अब खैर नहीं दिल्ली मंडल के स्टेशनों पर वसूला गया मोटा जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। बिना टिकट यात्रा करने और ट्रेनों में अनाधिकृत प्रवेश को रोकने के लिए दिल्ली मंडल में पिछले कुछ दिनों से विशेष टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में अलग-अलग रेलवे स्टेशनों और रूट पर चेकिंग कर बिना टिकट पकड़े गए यात्रियों से जुर्माना वसूला जा रहा है। आनंद विहार टर्मिनल एवं नई दिल्ली रेलवे स्टेशनों पर चेकिंग अभियान बिना टिकट यात्रा करने वाले 111 यात्रियों को पकड़ा गया। उनसे 1,11,700 रुपये का जुर्माना वसूला गया। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि इस अभियान का उद्देश्य है कि यात्री वैध टिकट के साथ यात्रा करें और ट्रेनों में अनाधिकृत प्रवेश को रोका जा सके। बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्री न केवल रेलवे के राजस्व को नुकसान पहुंचाते हैं, बल्कि वैध टिकट के साथ यात्रा करने वाले यात्रियों के अधिकारों का भी उल्लंघन करते हैं। यात्री सुरक्षा के लिए भी यह गंभीर मामला है। दिल्ली के मंडल रेल प्रबंधक पुष्पेश रमण त्रिपाठी ने वैध टिकट के साथ यात्रा करने के महत्व पर जोर दिया है। उनका कहना है कि लोगों को वैध टिकट के साथ यात्रा करना चाहिए। जांच के समय टिकट चेकिंग स्टाफ का सहयोग करने की भी सलाह दी है।

सरयू तट पर श्रीराम म्यूजियम, अंतरराष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय पर खर्च होंगे 100 करोड़

अयोध्या , एजेंसी। राम मंदिर निर्माण समिति की बैठक के अंतिम दिन सरयू तट स्थित अंतरराष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय के निर्माण पर महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया. समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि संग्रहालय के निर्माण में लगभग 100 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है. जिसमें एक और योजना को महत्वपूर्ण स्थान दिया जा रहा है. इसमें भगवान श्रीराम से जुड़ी यात्रा को आधुनिक तकनीक के माध्यम से प्रदर्शित किया जाएगा, इसकी शुरुआत सरयू नदी से होगी और समापन गुप्तार घाट पर केंद्रित रहेगा. राम मंदिर निर्माण समिति की बैठक में ट्रस्ट के कार्य से जुड़े अंतरराष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय में भी बैठक हुई. इसमें हो रहे कार्यों पर मंथन किया गया. बताया कि इसकी एक गैलरी में श्रीराम की यात्रा से जुड़ी नदियों को, वह कहां किससे भेट हुई, आदि का प्रदर्शन किया जाएगा. इसकी स्क्रिप्ट होगी, जिससे पूरी कहानी बताई जाएगी।

हिमाचल में सीबीएसई स्कूलों में शिक्षकों की तैनाती के लिए मिक्स मॉडल की सिफारिश, 20 जुलाई को होगा फाइनल निर्णय

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के 158 सीबीएसई पाठ्यक्रम आधारित सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की तैनाती को लेकर जारी असमंजस जल्द खत्म हो सकता है। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री की अध्यक्षता वाली मंत्रिमंडलीय उपसमिति ने अपनी रिपोर्ट और सिफारिशें तैयार कर ली हैं, जिन्हें 20 जुलाई को होने वाली राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में अंतिम मंजूरी के लिए रखा जाएगा।

उपसमिति का क्या है सुझाव: सूत्रों के अनुसार उपसमिति ने मेरिट, वरिष्ठता और शिक्षकों की पसंद को संतुलित करने वाला मिश्रित माडल सुझाया है। सरकार ने निजी स्कूलों की तर्ज पर 158 सरकारी स्कूलों में सीबीएसई पाठ्यक्रम लागू किया है, जहां 3,468 से अधिक शिक्षकों की तैनाती की जानी है। इसके लिए विभाग पहले ही आवेदन और लिखित परीक्षा की प्रक्रिया पूरी कर चुका है।

क्यों है विवाद: विवाद इस बात को लेकर है कि लिखित परीक्षा में चयनित शिक्षक मेरिट के आधार पर पसंदीदा स्कूलों में नियुक्ति चाहते हैं, जबकि पहले से कार्यरत शिक्षक वरिष्ठता और अनुभव को भी महत्व देने की मांग कर रहे हैं। शिक्षा विभाग दोनों पक्षों के हितों में संतुलन बनाने की कोशिश कर रहा है।

सरकारी स्कूलों में अतिरिक्त दाखिले: सरकार का मानना है कि सीबीएसई व्यवस्था से गरीब और मध्यम वर्ग के बच्चों को बेहतर गुणवत्ता की शिक्षा मिलेगी। योजना शुरू होने के बाद सरकारी स्कूलों में 16 हजार से अधिक अतिरिक्त दाखिले हो चुके हैं। सरकार आने वाले वर्षों में 200 और सरकारी स्कूलों को सीबीएसई से संबद्ध करने की तैयारी कर रही है।

सीएम ने 2025 में की थी घोषणा: मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने वर्ष 2025 के स्वतंत्रता दिवस पर इस पहल की घोषणा की थी। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर के अनुसार इसका उद्देश्य सरकारी और निजी स्कूलों के बीच गुणवत्ता की धारणा के अंतर को समाप्त करना है, जबकि शिक्षा सचिव राकेश कंवर ने कहा है कि शिक्षकों की नियुक्तियां सीबीएसई मानकों के अनुरूप की जाएंगी।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर चंडीगढ़ में वेंडर्स को मिलेगा ठिकाना, 18 को ड्रॉ; साइट्स पर जंगल जैसी स्थिति, कैसे आएंगे ग्राहक

चंडीगढ़, एजेंसी। वेंडिंग जोन और माडल वेंडिंग जोन की स्थिति की समीक्षा के लिए एक कमेटी बनाई गई है। यह कमेटी ग्राउंड लेवल पर जाकर वेंडिंग जोन की वास्तविक स्थिति का पता लगाएगी। वेंडिंग जोन के नाम के बोर्ड तो सेक्टरों में लगे हैं, लेकिन इनकी फेंसिंग के भीतर घास और जंगल जैसी स्थिति है। ऐसे में वेंडर कैसे काम कर पाएंगे, यह निगम को विचार करना चाहिए। यदि वेंडर वहां बैठ भी जाएं, तो ग्राहक कैसे पहुंचेंगे, यह एक बड़ा सवाल है। सेक्टर-52 और 49 जैसे क्षेत्रों में वेंडिंग जोन की स्थिति चिंताजनक है। वेंडर्स को इन वेंडिंग जोन में स्थानांतरित करने के लिए 18 जुलाई को ड्रॉ आयोजित किया जाएगा, जिसके बाद वेंडरों के लिए साइट और वेंडिंग जोन निर्धारित होंगे। टाउन वेंडिंग कमेटी द्वारा गठित कमेटी नई वेंडिंग जोन साइट का निरीक्षण भी करेगी।

जब शादी से लौटते वक्त मौत से हुआ सामना, मेहमानों की पिकअप दो ट्रकों के बीच पिसी, 13 लोगों की गई जान

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया के जावा द्वीप पर शादी से लौट रहे मेहमानों की पिकअप हाईवे पर दो ट्रकों के बीच फंस गई। हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई और पांच लोग घायल हो गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है। शुरुआती जानकारी के अनुसार यू टर्न लेते समय पीछे से ट्रक की टक्कर के बाद पिकअप दूसरी लेन में पहुंच गई, जहां एक और ट्रक से भिड़ंत हो गई।

आखिर कैसे हुआ हादसा: स्थानीय यातायात पुलिस प्रमुख उंदांग स्यारिफ हिदायत ने बताया कि यह हादसा रविवार दोपहर इंद्रामायु रीजेंसी के कियाजारन कुलोन गांव के पास उत्तरी तटीय हाईवे पर हुआ। सभी लोग पड़ोसी परेआन गांव में शादी समारोह में शामिल होने के बाद अपने घर लौट रहे थे।

पिकअप दो ट्रकों के बीच कैसे आ गई: पुलिस के अनुसार, सभी लोग एक खुली पिकअप में सवार थे। हाईवे पर यू टर्न लेने के लिए चालक ने डिवाइडर के कट के पास वाहन की रफ्तार धीमी की और उसे रोक दिया। तभी पीछे से उसी दिशा में आ रहे एक विंग बॉक्स ट्रक ने पिकअप को जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर के बाद क्या हुआ: हिदायत ने बताया कि पहली टक्कर के बाद पिकअप सामने वाली लेन में जा पहुंची, जहां विपरीत दिशा से आ रहे दूसरे ट्रक ने भी उसे टक्कर मार दी। जोरदार टक्कर के कारण पिकअप में सवार एक दर्जन से अधिक लोग उछलकर हाईवे पर जा गिरे। पुलिस ने बताया कि हादसे में घायल हुए पांच लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। इनमें कुछ को मामूली जबकि कुछ को गंभीर चोटें आई हैं।

युद्धविराम टूटने से कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी, क्या फिर बढ़ेंगे पेट्रोल-डीजल के दाम

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच फिर से शुरू हुए संघर्ष की वजह से तेल की कीमतों में बढ़ोतरी होने लगी है। दोनों देशों के बीच फिर से एक-दूसरे पर हमले के बाद तेल की कीमतों में 3 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। होर्मुज जलडमरूमध्य में फिर से रुकावट की आशंका बढ़ गई है। सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, शाम 6:03 बजे यूएस क्रूड फ्यूचर्स 3.4 प्रतिशत बढ़कर 73.87 डॉलर प्रति बैरल हो गए। इंटरनेशनल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड में 3.5 प्रतिशत की बढ़त हुई और यह 78.67 डॉलर पर पहुंच गया। न्यूयॉर्क टाइम्स ने ब्रेंट की कीमत थोड़ी ज्यादा, लगभग 79 डॉलर प्रति बैरल बताई। यह युद्ध से पहले की कीमत से लगभग 9 प्रतिशत ज्यादा थी।

अमेरिकी सेना ने जारी किया बयान: यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल कमांड की ओर से कहा गया कि यूएस सेंट्रल कमांड की सेनाओं ने ईरान के खिलाफ और हमले शुरू किए गए। सेंट्रल कमांड की ओर से बताया गया कि होर्मुज जलडमरूमध्य में हमला करने से ईरान की क्षमता को कम करना इसका उद्देश्य है। सेंट्रल कमांड की ओर से आगे कहा गया, 'कमांडर-इन-चीफ ने ईरानी सेनाओं को जवाबदेह ठहराने के लिए ये हमले करने का निर्देश दिया है।' वॉल स्ट्रीट जर्नल की ओर से कहा गया कि 24 घंटों में तीसरी बार अमेरिका की ओर से हमला किया गया।

इससे पहले के हमलों में जलमार्ग के आसपास ईरानी मिसाइल और एयर-डिफेंस सिस्टम, छोटी नावें, रडार और हथियारों के स्टोरेज ठिकानों को निशाना बनाया गया था।

ईरान ने होर्मुज बंद करने की धमकी दी: अमेरिका के हमलों के बाद ईरानी सेनाओं की ओर से कमर्शियल जहाजों पर गोलीबारी की गई। सीएनएन और न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता कैप्टन टिम हॉकिंस ने कहा कि अमेरिकी विमानों ने एक ईरानी क्रूज मिसाइल और एक वन-वे अटैक ड्रोन को मार गिराया। ईरान ने कहा कि जलडमरूमध्य को अगली सूचना तक बंद कर दिया गया है। हालांकि यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल कमांड ने इस दावे का खंडन किया और कहा कि जहाज कानूनी रूप से आवाजाही जारी रख सकते हैं। यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल कमांड ने कहा, 'ईरान का जलडमरूमध्य पर नियंत्रण नहीं है। ट्रैफिक चल रहा है।'मैरीटाइम इंटेलिजेंस फर्म विंडवर्ड ने शनिवार को जलडमरूमध्य से गुजरने वाले नौ जहाजों को ट्रैक किया। जॉइंट मैरीटाइम इंफॉर्मेशन सेंटर ने कहा कि ओमान के जलक्षेत्र से होकर जाने वाला दक्षिणी मार्ग आने-जाने वाले ट्रैफिक के लिए खुला रहा। फिर भी, इसने नाविकों को बहुत ज्यादा सावधानी बरतने की सलाह दी।

होर्मुज से जहाजों की आवाजाही में आई कमी: न्यूयॉर्क टाइम्स ने मैरीटाइम डेटा कंपनी का हवाला देते हुए बताया कि युद्ध से पहले हर दिन 130 से ज्यादा जहाज हॉर्मुज का इस्तेमाल करते थे, लेकिन गुरुवार को केवल 22 जहाज ही यहां से गुजरे।

डेटा कंपनी ने बताया, 'वह भरोसा बहुत तेजी से खत्म हो गया। हम फिर से वहीं पहुंच गए हैं, जहां से शुरू किया था।' फॉक्स न्यूज की ओर से जानकारी दी गई कि अमेरिका ने रात भर चले हमले में ईरान के लगभग 140 ठिकानों पर हमला किया। ईरान ने खाड़ी क्षेत्र में मौजूद ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई की। कुवैत ने कहा कि हमलों में तीन बॉर्डर पोस्ट और समुद्र में बने एक ऑयल प्लेटफॉर्म को नुकसान पहुंचा, जिससे एक कर्मचारी घायल हो गया।

अमेरिका ने फिर की ईरान पर बमबारी: धमाकों से दहले कई इलाके तेहरान ने दिया क्या जवाब

वॉशिंगटन/तेहरान, एजेंसी। अमेरिका ने रविवार (स्थानीय समय) को ईरान पर एक बार फिर सैन्य हमले किए। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा कि इस कार्रवाई का उद्देश्य होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले नागरिक नाविकों और वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाने की ईरान की क्षमता को और कमजोर करना है। सेंटकॉम ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि यह कार्रवाई अमेरिकी राष्ट्रपति के निर्देश पर की गई है, ताकि ईरानी बलों को उनके कदमों के लिए जवाबदेह ठहराया जा सके।

अमेरिकी हमलों पर क्या बोला ईरान : ईरान के विदेश मंत्रालय ने पिछले 24 घंटों में हुए अमेरिकी सैन्य हमलों की कड़ी निंदा करते हुए उन्हें संयुक्त राष्ट्र चार्टर का घोर उल्लंघन बताया है। मंत्रालय ने आरोप लगाया कि इन हमलों ने पश्चिम एशिया में तनाव कम करने के हालिया प्रयासों को कमजोर किया है। विदेश मंत्रालय ने चेतावनी दी कि अगर कोई देश अपनी जमीन या सैन्य सुविधाओं का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान के लिए करने की अनुमति देता है, तो ऐसे हमलों के स्रोत को ईरानी सशस्त्र बल आत्मरक्षा के तहत 'वैध सैन्य लक्ष्य' मान सकते हैं।

मंत्रालय ने मस्कट में हुई वार्ता के नतीजों को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति के कथित बयान को भी खारिज किया। ईरान ने इसे 'पूरी तरह झूठ' बताते हुए कहा कि बातचीत का मुख्य विषय होर्मुज जलडमरूमध्य और समुद्री जहाजों की आवाजाही के प्रबंधन से जुड़े इंतजाम थे। ईरान ने संयुक्त राष्ट्र सचिवालय की प्रतिक्रिया की भी आलोचना की और संयुक्त राष्ट्र महासचिव तथा सुरक्षा परिषद से अमेरिकी कार्रवाई के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराने की मांग की।

अमेरिकी सेना ने हमलों को लेकर क्या कहा: सेंटकॉम ने कहा, 'आज शाम 5 बजे (ईटी) अमेरिकी सेंट्रल कमांड की सेनाओं ने ईरान पर एक और दौर के हमले शुरू किए। इनका उद्देश्य होर्मुज जलडमरूमध्य से स्वतंत्र रूप से गुजरने वाले नागरिक नाविकों और वाणिज्यिक जहाजों पर हमले करने की ईरान की क्षमता को और कमजोर करना है। राष्ट्रपति ने ईरानी बलों को जवाबदेह ठहराने के लिए इन हमलों का निर्देश दिया है। '

अमेरिकी कार्रवाई के बाद खाड़ी क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया। ईरान के सरकारी चैनल प्रेस टीवी के अनुसार, हमलों के बाद दक्षिणी ईरान के जास्क, बंदर अब्बास और सीरिक शहरों में तीन विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं।

संयुक्त राष्ट्र ने जताई चिंता: इस बीच, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते सैन्य टकराव पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि हालिया घटनाक्रम क्षेत्र और दुनिया दोनों के लिए गंभीर परिणाम लेकर आ सकते हैं। गुटेरेस ने एक्स पर लिखा, 'मैं खाड़ी क्षेत्र में गंभीर तनाव और ईरान-अमेरिका के बीच फिर से शुरू हुए सैन्य टकराव को लेकर बेहद चिंतित हूं।

इसमें होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों पर ईरान के हमले, ईरान पर अमेरिका के हमले और पड़ोसी देशों में ईरान की ओर से किए गए हमले शामिल हैं। इन सभी हमलों को तुरंत रुकना चाहिए। '

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर हालात फिर पूर्ण युद्ध की ओर बढ़ते हैं तो इसके क्षेत्र के लोगों, अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर 'विनाशकारी परिणाम' होंगे। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने अमेरिका और ईरान से तत्काल बातचीत फिर शुरू करने और सभी लंबित मुद्दों का समाधान कूटनीति के जरिए निकालने की अपील की। उन्होंने कहा, 'मैं ईरान और अमेरिका से आग्रह करता हूं कि वे तुरंत वार्ता फिर शुरू करें और सभी लंबित मुद्दों का समाधान कूटनीतिक तरीके से करें।

सीधी में जिला स्तरीय आधार निगरानी समिति की बैठक सम्पन्न, कलेक्टर विकास मिश्रा ने 15 दिन में रैंकिंग सुधारने के दिए सख्त

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में आधार सेवाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और नागरिकों के लिए सुलभ बनाने के उद्देश्य से सोमवार को जिला पंचायत सभागार में जिला स्तरीय आधार निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर विकास मिश्रा ने की इस दौरान जिले में आधार नामांकन एवं आधार अद्यतन (अपडेट) कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार और लंबित मामलों के शीघ्र निराकरण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए बैठक में कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि आधार आज प्रत्येक नागरिक की पहचान से जुड़ा महत्वपूर्ण दस्तावेज है ऐसे में आधार नामांकन और अद्यतन कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में संचालित सभी आधार केंद्रों की नियमित निगरानी की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि आम नागरिकों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं मिलें बैठक में भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल से आए सहायक प्रबंधक दीपक शर्मा ने जिले में आधार नामांकन एवं अपडेट कार्यों की वर्तमान स्थिति की जानकारी प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि जिले में वर्तमान समय में 77 आधार ऑपरेटर एवं सुपरवाइजर कार्यरत लेकिन अधिकांश ऑपरेटर प्रतिदिन औसतन 10 से भी कम आधार नामांकन या अपडेट कर रहे हैं उन्होंने कहा कि उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए प्रत्येक ऑपरेटर की कार्यक्षमता बढ़ाने की आवश्यकता है ताकि अधिक से अधिक नागरिकों को आधार संबंधी सेवाओं का लाभ मिल सके। प्रस्तुतीकरण के दौरान यह भी बताया गया कि जिले में 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के नागरिकों तथा 100 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के आधार अद्यतन के कई प्रकरण अभी भी लंबित हैं इस पर कलेक्टर विकास मिश्रा ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि आधार अद्यतन का कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूरा किया जाना चाहिए। उन्होंने जिला सूचना विज्ञान अधिकारी (एनआईसी) को निर्देश दिए कि आधार कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा प्रत्येक केंद्र की प्रगति की लगातार समीक्षा कर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाएं। बैठक में विद्यालयों में आयोजित किए जाने वाले विशेष आधार शिविरों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने निर्देश दिया कि स्कूलों में 5 से 7 वर्ष तथा 15 से 17 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों का अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट प्राथमिकता के आधार पर कराया जाए उन्होंने कहा कि यह कार्य शासन की प्राथमिकता में शामिल है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। कलेक्टर ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि बच्चों के अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट के लिए यदि कोई आधार ऑपरेटर निर्धारित नियमों के विरुद्ध किसी भी प्रकार का शुल्क वसूलता है तो उसके खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाएगी ऐसे मामलों में संबंधित ऑपरेटर की आईडी निलंबित कराने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस संबंध में व्यापक निगरानी रखी जाए और नागरिकों को भी यह जानकारी दी जाए कि निर्धारित सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध हैं। बैठक के दौरान जिले की आधार रैंकिंग पर भी चर्चा की गई। समीक्षा में बताया गया कि वर्तमान में सीधी जिले की आधार प्रदर्शन रैंकिंग प्रदेश में 46वें स्थान पर है। इस पर कलेक्टर ने असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि जिले की स्थिति में तेजी से सुधार लाने की आवश्यकता है उन्होंने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि अगले 15 दिनों के भीतर ठोस कार्ययोजना तैयार कर विशेष अभियान चलाया जाए और जिले की रैंकिंग को शीर्ष 10 जिलों में लाने का प्रयास किया जाए उन्होंने कहा कि प्रत्येक विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करे और आधार नामांकन एवं अद्यतन के लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करे नियमित समीक्षा के माध्यम से प्रगति की निगरानी की जाएगी तथा अपेक्षित परिणाम नहीं मिलने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही भी तय की जाएगी।

सिंगरौली के सांदीपनि स्कूल में छात्र-शिक्षक विवाद, दोनों पक्षों ने दर्ज कराई शिकायत

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिले के बरगवां स्थित शासकीय सांदीपनि स्कूल में छात्र और शिक्षक के बीच मारपीट का मामला सामने आया है शनिवार को हुई इस घटना के बाद स्कूल में तनाव की स्थिति बनी हुई है मामले में शिक्षक और छात्र दोनों पक्षों की ओर से थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है जानकारी के अनुसार विवाद की शुरुआत कक्षा 11वीं के कुछ छात्रों के बाथरूम में मोबाइल चलाने को लेकर हुई अंग्रेजी विषय के शिक्षक आकाश तिवारी ने बताया कि वे कक्षा में पढ़ाने गए थे इस दौरान तीन छात्र कक्षा में बैग रखकर बाथरूम में मोबाइल चला रहे थे जब उन्होंने छात्रों को कक्षा में वापस आने के लिए कहा तो इसी दौरान छात्र प्रवीण कुमार वैश्य को उनका हाथ लग गया। शिक्षक के अनुसार इसके बाद छात्रों ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए माफी मांगी और कक्षा में पढ़ाई शुरू हो गई। उन्होंने आरोप लगाया कि बाद में स्कूल के ही एक अतिथि शिक्षक ने छात्रों को उनके खिलाफ भड़का दिया जिसके बाद कई छात्रों ने मिलकर उनके साथ मारपीट की शिक्षक का कहना है कि मारपीट में उन्हें शरीर के कई हिस्सों में चोटें आई हैं। वहीं दूसरी ओर छात्र प्रवीण कुमार वैश्य के पिता उमाशंकर वैश्य ने शिक्षक पर आरोप लगाया है कि उनके बेटे को पहले से लगी चोट वाली जगह पर दोबारा मारा गया इससे छात्र की तबीयत खराब हो गई और उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाना पड़ा। छात्र के परिजनों ने भी शिक्षक के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। घटना के बाद सोमवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के नेतृत्व में बड़ी संख्या में छात्र थाने पहुंचे छात्रों ने स्कूल परिसर में पुलिस सुरक्षा बढ़ाने और व्यवस्था बेहतर करने की मांग की।

कलेक्टर विकास मिश्रा ने प्रगतिरत कार्यों को समय-सीमा में पूरा करने और जल गुणवत्ता पर विशेष निगरानी रखने के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में जल जीवन मिशन एवं पेयजल योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, सुरक्षित पेयजल उपलब्धता और योजनाओं की प्रगति की समीक्षा को लेकर सोमवार को जिला पंचायत सभागार में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक आयोजित की गई बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर वकास मिश्रा ने की। इस दौरान जिले में संचालित विभिन्न पेयजल योजनाओं की स्थिति, पूर्ण योजनाओं के हस्तांतरण, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता तथा वर्षाकाल में जलजनित बीमारियों की रोकथाम के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई बैठक में कलेक्टर विकास मिश्रा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन पेयजल योजनाओं का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है उन्हें बिना विलंब के संबंधित ग्राम पंचायतों एवं जल एवं स्वच्छता समितियों को हस्तांतरित किया जाए। उन्होंने कहा कि योजनाओं का समय पर हैंडओवर होने से ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को नियमित रूप से पेयजल सुविधा का लाभ मिल सकेगा। कलेक्टर ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में चल रहे सभी प्रगतिरत कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए और किसी भी स्थिति में मानकों से समझौता नहीं किया जाएगा उन्होंने योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करने और कार्यों में तेजी लाने के निर्देश भी दिए। बैठक के दौरान वर्षाकाल को देखते हुए पेयजल स्रोतों की सुरक्षा और जलजनित बीमारियों की रोकथाम पर विशेष जोर दिया गया कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिले के सभी हैंडपंप, पेयजल स्रोतों एवं जलापूर्ति केंद्रों में नियमित रूप से क्लोरीनेशन कराया जाए साथ ही जल की गुणवत्ता की समय-समय पर जांच सुनिश्चित की जाए ताकि नागरिकों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराना प्रशासन की प्रमुख जिम्मेदारी है इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी जल गुणवत्ता जांच में किसी प्रकार की कमी पाए जाने पर तत्काल आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाएं। बैठक में मध्यप्रदेश जल निगम के अधिकारियों को भी निर्देश दिए गए कि जलापूर्ति योजनाओं से जुड़े सभी निर्माण कार्यों को निर्धारित समयावधि में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाए कलेक्टर ने कहा कि पाइपलाइन बिछाने के लिए जिन सड़कों की खुदाई की गई है उनका रोड रेस्टोरेशन कार्य भी शीघ्र पूरा किया जाए जिससे आम नागरिकों को आवागमन में परेशानी न हो कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि जल जीवन मिशन के सफल संचालन के लिए विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है ।

समदा फार्म में मजदूरी भुगतान में गड़बड़ी का आरोप, मजदूरों ने कलेक्टर से की शिकायत

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के समदा फार्म में मजदूरों की मजदूरी भुगतान प्रक्रिया में अनियमितता और अवैध वसूली का मामला सामने आया है। सोमवार को 35 से अधिक मजदूरों ने कलेक्टर विकास मिश्रा से मुलाकात कर शिकायत दर्ज कराई मजदूरों ने आरोप लगाया कि उनके खातों में वास्तविक कार्य दिवसों से अधिक मजदूरी की राशि जमा कराई गई और बाद में अतिरिक्त राशि वरिष्ठ अधिकारियों के नाम पर वापस ले ली गई मजदूरों द्वारा की गई शिकायत में आरोप लगाया गया कि फार्म के कंप्यूटर ऑपरेटर सुनील तिवारी ने वास्तविक कार्य दिवसों से अधिक मजदूरी दर्ज कर भुगतान कराया इसके बाद मजदूरों से अतिरिक्त राशि नकद वापस लिए जाने की बात कही गई मजदूरों का कहना है कि उनसे अंगूठा लगवाकर राशि वापस जमा कराई गई। समदा फार्म करीब 800 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है जहां धान, गेहूं सहित विभिन्न फसलों का उत्पादन किया जाता है यहां तैयार बीजों की पैकिंग और प्रसंस्करण के बाद उन्हें जिले के विभिन्न विकासखंडों और ग्राम पंचायतों में वितरित किया जाता है फार्म में 50 से अधिक मजदूर कार्यरत हैं जिन्हें प्रतिदिन 430 रुपए की दर से 10 से 25 दिनों तक काम दिया जाता है। मजदूरों ने शिकायत में बताया कि भुगतान प्रक्रिया में उन्हें वास्तविक मजदूरी से अधिक राशि खाते में भेजी गई और बाद में वह राशि वापस ले ली गई मजदूर वंश बहादुर सिंह ने आरोप लगाया कि उनके खाते में अधिक भुगतान दिखाकर उनसे करीब 7 हजार रुपए वापस लिए गए उन्होंने कहा कि पहले भी इस संबंध में शिकायत की गई थी लेकिन कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई वहीं मजदूर सीताराम साहू ने बताया कि वह पिछले करीब 30 वर्षों से समदा फार्म में काम कर रहे हैं लेकिन इस तरह की स्थिति उन्होंने पहली बार देखी है उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। इस मामले में समदा फार्म प्रभारी गीता पटेल ने शिकायत मिलने की पुष्टि की है उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में कर्मचारियों से पैसे लिए जाने की बात सामने आई है पूरे मामले की विस्तृत जांच कराई जा रही है जांच में यदि अनियमितता प्रमाणित होती है तो संबंधित मजदूरों की राशि वापस दिलाई जाएगी और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की जाएगी।

सीधी में ट्रैक्टर पलटने से युवक की मौत

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। बहरी थाना क्षेत्र के ग्राम डोल में सोमवार दोपहर तेज रफ्तार ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में ट्रैक्टर चालक राजेश जायसवाल (पिता- छठीलाल जायसवाल) की मौके पर ही मौत हो गई ग्रामीणों के अनुसार ट्रैक्टर ब्रेकर पर संतुलन बिगड़ने से पलटा और राजेश उसके नीचे दब गया परिजनों ने बताया कि घर से निकलते समय राजेश ने कहा था, 'आज मैं ट्रैक्टर पलटा दूंगा' पिता ने उसे नशे की हालत में वाहन चलाने से मना किया था पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

सीधी में लोकायुक्त की कार्रवाई: जिला अभियोजन अधिकारी 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिला न्यायालय परिसर में सोमवार को रीवा लोकायुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जिला अभियोजन अधिकारी राजकुमार रावत को 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया कार्रवाई के दौरान आरोपी अधिकारी ने लोकायुक्त टीम को देखकर रिश्वत की रकम सड़क किनारे फेंक दी और भागने का प्रयास किया, लेकिन टीम ने पीछा कर उसे पकड़ लिया प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी पंकज तिवारी ने रीवा लोकायुक्त कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी कि एक प्रकरण में आगे की कार्रवाई बढ़ाने के एवज में जिला अभियोजन अधिकारी राजकुमार रावत द्वारा 10 हजार रुपए रिश्वत की मांग की जा रही है शिकायत के सत्यापन के बाद लोकायुक्त टीम ने मामले की पुष्टि की और योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई करने का निर्णय लिया। सोमवार दोपहर करीब 3 बजे लोकायुक्त टीम ने सीधी न्यायालय परिसर के सामने जाल बिछाया। जैसे ही फरियादी ने आरोपी अधिकारी को रिश्वत की राशि दी, लोकायुक्त टीम ने उसे पकड़ने का प्रयास किया टीम को देखते ही आरोपी ने रिश्वत के रुपए फेंक दिए और मौके से भागने लगा लोकायुक्त अधिकारियों ने उसका पीछा किया और कुछ दूरी पर उसे पकड़ लिया। कार्रवाई के दौरान लोकायुक्त टीम ने मौके पर ही आरोपी के हाथों का रासायनिक परीक्षण कराया परीक्षण में उसके हाथों पर रसायन के निशान पाए गए ।

लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण और जनहितकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला पंचायत सभागार में सोमवार को कलेक्टर विकास मिश्रा की अध्यक्षता में समय-सीमा (टीएल) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में शासन की प्राथमिकता वाले विषयों, विभागीय योजनाओं की प्रगति और लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई कलेक्टर ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित मामलों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक शीघ्र पहुंचाया जाए। बैठक में कलेक्टर ने अवमानना प्रकरणों, विधानसभा प्रश्नों के उत्तर, हितग्राही मूलक योजनाओं और कर्मचारियों के लंबित भुगतान मामलों की विभागवार समीक्षा की उन्होंने कहा कि न्यायालयीन एवं शासन स्तर से प्राप्त प्रकरणों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी सभी अधिकारी अपने विभागीय कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए निर्धारित समय-सीमा का पालन करें। शिक्षा, आदिवासी विकास विभाग एवं जिला शिक्षा केन्द्र की समीक्षा के दौरान विद्यालयों में शैक्षणिक गतिविधियों, जर्जर भवनों, मध्यान्ह भोजन व्यवस्था, विद्यार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं तथा जाति प्रमाण-पत्र एवं लोक सेवा गारंटी के लंबित आवेदनों की जानकारी ली गई उन्होंने विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिले में चल रहे पौधरोपण अभियान की समीक्षा करते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण पर जोर दिया साथ ही शासकीय भूमि को अतिक्रमण से सुरक्षित रखने के लिए नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए सड़क निर्माण एवं पेयजल योजनाओं के दौरान हुई खुदाई के बाद रोड रेस्टोरेशन कार्य गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा कराने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए गए। बैठक में पशुपालन, सड़क सुरक्षा, ब्लैक स्पॉट सुधार, खाद-बीज उपलब्धता, ई-खाद प्रणाली, प्रधानमंत्री आवास योजना, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, स्वास्थ्य सेवाओं, आंगनबाड़ी संचालन, डीएमएफ कार्यों एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन सहित विभिन्न विषयों की समीक्षा की गई कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जनहित से जुड़े मामलों में त्वरित निर्णय लें नियमित फील्ड निरीक्षण करें और योजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करें।

जाहिर सूचना

क्र0-11/26 दिनांक-13/07/2026

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मौहम्मद अब्दुल हक अंसारी वल्द अब्दुल हमीद अंसारी, निवासी ग्राम पोस्ट मनगवां, तहसील मनगवां, जिला रीवा (म0प्र0) ने भूमि खसरा नं0-50/1/3 में से रकबा 1296 वर्गफिट स्थित ग्राम गोदहाई, पटवारी हल्का आंबी 96/28, वार्ड नं0-10, सर्किल मनगवां, तहसील मनगवां, जिला रीवा (म0प्र0) को जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र क्रमांक 10491 दिनांक 25/02/2014 के माध्यम से क्रय किया था। इसके पश्चात मोहम्मद अब्दुल हक अंसारी द्वारा अपनी पत्नी शहनाज अंसारी को भूमि खसरा नं0-50/1/3/4 रकबा 1296 वर्गफिट स्थित ग्राम गोदहाई, पटवारी हल्का आंबी 96/28, वार्ड नं0-10, सर्किल मनगवां, तहसील मनगवां, जिला रीवा (म0प्र0) में सहभागी बनाने हेतु सहस्वामित्व विलेख क्रमांक MP30IGR18282026A100034263 दिनांक 09/01/2026 का निष्पादन उप-पंजीयक कार्यालय रीवा में कराया गया था । तथा इसके पश्चात मोहम्मद अब्दुल हक अंसारी द्वारा भूमि खसरा नं0-50/1/3/4 रकबा 1296 वर्गफिट स्थित ग्राम गोदहाई, पटवारी हल्का आंबी 96/28, वार्ड नं0-10, सर्किल मनगवां, तहसील मनगवां, जिला रीवा (म0प्र0) में अपना ½ अंश का निर्मुक्ति पत्र अपनी पत्नी शहनाज अंसारी के पक्ष में पंजीकृत निर्मुक्ति विलेख क्रमांक MP30IGR18282026A100096996 दिनांक 27/01/2026 का निष्पादन उप-पंजीयक कार्यालय रीवा में कराया गया था। मोहम्मद अब्दुल हक अंसारी के हक में निष्पादित मूल विक्रय पत्र क्रमांक 10491 दिनांक 25/02/2014 कहीं गुम हो गई है, जिसकी सूचना मोहम्मद अब्दुल हक अंसारी द्वारा थाना मनगवां में दिनांक 24/06/2026 को दी गई है, तथा काफी खोजबीन के पश्चात नही मिल रही है। वर्तमान समय में उक्त भूमि को बंधक कर UGRO CAPITAL LIMITED, शाखा रीवा (म0प्र0) से वित्तीय सहायता प्राप्त किया जा रहा है। जिसमें उक्त मूल विक्रय पत्र क्रमांक 10491 दिनांक 25/02/2014 की आवश्यकता है। मोहम्मद अब्दुल हक अंसारी वल्द अब्दुल हमीद अंसारी एवं शहनाज अंसारी पत्नी मो0 अब्दुल हक अंसारी, निवासी ग्राम पोस्ट मनगवां, तहसील मनगवां, जिला रीवा (म0प्र0) द्वारा उक्त भूमि को कहीं विक्रय, बंधक, गहन आदि करने तथा ऋण के संबंध में यदि किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई भी आपत्ति हो तो वह इस प्रकाशन के सात दिवस के अंदर मेरे कार्यालय अथवा UGRO CAPITAL LIMITED, शाखा रीवा (म0प्र0) में प्रस्तुत करे । प्रकाशन दिनांक से सात दिवस के पश्चात कोई आपत्ति मान्य व स्वीकार नहीं होगी तथा भावी ऋण प्रदान कर दिया जावेगा।

भवदीय
राजेंद्र त्रिपाठी
एडवोकेट रीवा (म0प्र0)

सीधी महाविद्यालय में चला स्वच्छता अभियान, विद्यार्थियों ने लिया प्लास्टिक मुक्त भारत का संकल्प

प्लास्टिक उन्मूलन और पर्यावरण संरक्षण के लिए छात्र-छात्राओं ने किया जागरूकता अभियान का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सीधी में प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह के मार्गदर्शन में प्लास्टिक उन्मूलन एवं स्वच्छता जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया अभियान का मुख्य उद्देश्य महाविद्यालय परिसर को प्लास्टिक मुक्त बनाना, विद्यार्थियों में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए जन-जागरूकता फैलाना था। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए परिसर में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया विद्यार्थियों ने महाविद्यालय परिसर के विभिन्न हिस्सों में फैले प्लास्टिक कचरे को एकत्र किया इस दौरान पॉलिथीन, प्लास्टिक की बोतलें, पाउच, प्लास्टिक पैकेट एवं अन्य अपशिष्ट पदार्थों को एकत्र कर उचित निस्तारण की व्यवस्था की गई। स्वच्छता अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों ने यह संदेश दिया कि स्वच्छ पर्यावरण के निर्माण में प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका महत्वपूर्ण है उन्होंने कहा कि प्लास्टिक का अत्यधिक उपयोग पर्यावरण के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है इसके उपयोग को कम कर ही प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा और आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर वातावरण तैयार किया जा सकता है। अभियान के पश्चात सभी विद्यार्थी एवं प्राध्यापक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष एकत्र हुए यहां स्वच्छता एवं प्लास्टिक उन्मूलन की शपथ दिलाई गई सभी ने संकल्प लिया कि वे अपने दैनिक जीवन में एकल उपयोग प्लास्टिक के प्रयोग को कम करेंगे और अपने परिवार, मित्रों तथा समाज के अन्य लोगों को भी प्लास्टिक मुक्त वातावरण के लिए प्रेरित करेंगे शपथ कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और हरित परिसर निर्माण के लिए निरंतर प्रयास करने का संकल्प व्यक्त किया उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे प्रयासों से ही बड़े बदलाव संभव हैं और प्रत्येक नागरिक को अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने तथा प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक होने की आवश्यकता है महाविद्यालय प्रबंधन ने कहा कि इस प्रकार के अभियान विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं नियमित रूप से आयोजित होने वाले स्वच्छता एवं जागरूकता कार्यक्रमों से न केवल परिसर स्वच्छ रहेगा बल्कि विद्यार्थियों के माध्यम से समाज में भी सकारात्मक संदेश पहुंचेगा कार्यक्रम में महाविद्यालय के अधिकारियों, प्राध्यापकों और कर्मचारियों ने भी सक्रिय सहभागिता की। सभी ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं बल्कि जीवन शैली का हिस्सा होनी चाहिए। पर्यावरण संरक्षण के लिए प्लास्टिक के उपयोग को सीमित करना और स्वच्छता को प्राथमिकता देना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है महाविद्यालय परिवार ने भविष्य में भी ऐसे जागरूकता अभियानों का नियमित आयोजन करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की इन अभियानों के माध्यम से विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और सामाजिक जिम्मेदारियों से जोड़ने का प्रयास लगातार जारी रहेगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर स्वच्छ एवं हरित परिसर निर्माण में अपना योगदान दिया अभियान के दौरान विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला और सभी ने 'प्लास्टिक मुक्त भारत, स्वच्छ भारत' के संकल्प को आगे बढ़ाने का संदेश दिया।

ज़हरीली विरासतः सैकड़ों स्रोतों से प्रदूषित होती पंजाब की नदियां

संपादकीय

शासन-प्रशासन के तमाम दावों के बावजूद आज भी पंजाब की नदियों को जहरीला बनाने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। जिसकी पुष्टि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के समक्ष पंजाब पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की स्वीकृति है कि आज भी आठ सौ से अधिक प्रदूषण के स्रोत राज्य की नदियों को प्रदूषित कर रहे हैं। निश्चय ही यह तथ्य उन विभागों व संस्थाओं के कामकाज पर सवालिया निशान है जो पर्यावरण संरक्षण के प्रबंधन से जुड़े हैं। साथ ही लंबे समय से अदालत के हस्तक्षेप व विभिन्न सर्वेक्षणों में सामने आए तथ्यों की पुष्टि होती है कि राज्य में जागरूकता की कमी नहीं है, बल्कि समय रहते प्रभावी कार्रवाई न होने से उपजा संकट है। वर्षों से सरकारें एक्शन प्लान बनाने के दावे करती रही हैं। कभी ट्रीटमेंट प्लांट बनाने की बात होती है तो कभी कमेटियां बनाने के दावे होते हैं। आखिर क्यों आज भी बिना साफ किया हुआ सीवेज और औद्योगिक कचरा सतलुज,ब्यास और इनकी सहायक नदियों में बदस्तूर बहाया जा रहा है। जाहिर है, मौजूदा संसाधनों का या तो पूरा उपयोग नहीं हो पा रहा है या उनका रखरखाव ठीक नहीं है। फलतः जन-स्वास्थ्य से जुड़ा एक बड़ा संकट पैदा होता है। जो धीरे-धीरे आपदा का रूप ले लेता है। आज फैक्ट्रियों से निकलने वाले रसायनों के जरिये भारी धातुएं और जहरीले तत्व भूजल को प्रदूषित करने के बाद, हमारी खाद्य शृंखला में शामिल हो रहे हैं। जो राज्य के बहुचर्चित 'कैंसर बेल्ट' के रूप में हमारे सामने मौजूद है। निस्संदेह, पंजाब में यदि हरित क्रांति का परचम लहराया तो उसके मूल में पंजाब की नदियों की बड़ी भूमिका रही है। लेकिन आज वे तंत्र की काहिली, अनियोजित शहरीकरण, नियम-कानूनों का क्रियान्वयन न होने और दोषियों को सजा न मिलने का दंड चुका रही हैं। एनजीटी गाहे-बगाहे नगर निकायों की शिथिलता दर्शाकर सच्चाई से आम लोगों को अवगत कराता रहा है। निस्संदेह, पर्यावरण संरक्षण के प्रयास तब तक सफल नहीं हो सकते हैं जब तक कि इसकी जिम्मेदारी तय न की जाए और सख्त जुर्माना लगाना पर्यावरण संरक्षण नीति का हिस्सा नहीं बनता है। राज्य ने साबित किया है कि मरणासन्न नदियों को फिर से जीवित किया जा सकता है। काली बेई को पुनर्जीवित करने में जागरूक लोगों की बड़ी भूमिका रही है। जो दर्शाता है कि पक्के इरादे के साथ किए गये प्रयास से बेहद बुरे हालात में पहुंच चुके जल स्रोत को भी जीवंत बनाया जा सकता है। लेकिन इक्का-दुक्का सफलताएं ही व्यापक रणनीति की जगह नहीं ले सकतीं। जरूरी है कि नियम-कानूनों का कड़ाई से पालन किया जाए, सार्वजनिक रिपोर्टिंग को पारदर्शी बनाएं तथा सीवेज एवं कचरा-शोधन प्रणालियों में निरंतर निवेश बढ़ाया जाए। सर्वविदित है कि पंजाब का नाम यहां की नदियों से पड़ा है। ऐसे में इन नदियों को खुले नाले बनते रहने देने से न केवल हमारा पारिस्थितिकीय तंत्र व लोगों का स्वास्थ्य प्रभावित होता है, बल्कि राज्य की खुशहाली व पहचान के लिये भी एक खतरा है।

ई-20 को लेकर जन आंदोलन की तैयारी, एवरेज और गाड़ियां बर्बाद

सनत जैन

सरकार ने भारत के सभी पेट्रोल पंपों पर ई-20 पेट्रोल को अनिवार्य कर दिया है। पिछले 1 महीने से इस पेट्रोल के कारण देशभर के सभी राज्यों से गाड़ी का एवरेज कम होने और गाड़ियों में तरह-तरह से खराबी की शिकायतें बड़े पैमाने पर आना शुरू हो गई हैं। जिसके कारण लोगों में गुस्सा बढ़ता चला जा रहा है। दो पहिया और चार पहिया ऐसे करोड़ों वाहन हैं जो ई-10 पेट्रोल के लिए भी तैयार नहीं हुए हैं। मामूली मिलावट का उतना असर नहीं होता था, जितना ई-20 का होना शुरू हो गया है। जिसके कारण अब लोगों का गुस्सा पेट्रोल पंपों और सड़कों पर स्पष्ट रूप से नजर आने लगा है। सरकार यह मानने के लिए तैयार नहीं है। ई-20 पेट्रोल से गाड़ी का एवरेज कम होता है। उपभोक्ता लगातार शिकायत कर रहे हैं, कि उनके वाहन का एवरेज 5 से 8 किलोमीटर तक कम हो गया है। दो पहिया वाहनों का एवरेज कम होने से गरीब और मध्यम वर्ग को दोहरा नुकसान उठाना पड़ रहा है। एक तो उन्हें मिलावटी पेट्रोल ज्यादा कीमत में खरीदना पड़ रहा है। सरकार ने जो 20 फ़ीसदी एथेनॉल मिलाया है, उसके बाद भी पेट्रोल की कीमत कम नहीं की है। उपभोक्ताओं को शुद्ध पेट्रोल और मिलावटी पेट्रोल भरवाने का कोई विकल्प पेट्रोल पंपों पर नहीं दिया गया। ज्यादा पैसे चुकाने के बाद कम एवरेज मिलने और गाड़ियां खराब होने के कारण पेट्रोल उपभोक्ताओं का गुस्सा दिन-प्रतिदिन बढ़ता ही चला जा रहा है।

सरकार उपभोक्ताओं की शिकायतों को पूरी तरह से नजरअंदाज कर रही है। सरकार के मंत्री उपभोक्ताओं के जले के ऊपर नमक छिड़क रहे हैं। सरकार जो दावा कर रही है, वह वास्तविकता के विपरीत है। इसके बाद भी पेट्रोलियम मंत्री खुलेआम यह कहते हुए नजर आते हैं कि ई-20 पेट्रोल ही लेना पड़ेगा और वह सरकार द्वारा निर्धारित दर पर ही मिलेगा। इथेनॉल की मिलावट के बाद भी उस पेट्रोल के रेट कम नहीं किए जाएंगे। रही सही कसर जब पेट्रोल पंपों से मिलावटी पेट्रोल बिक ही रहा है तो पेट्रोल पंप वाले भी इस अफरा-तफरी में अपनी ओर से भी मिलावट करने लगे हैं। पेट्रोल पंपों में अब मिलावट की जांच कर पाना भी संभव नहीं रहा। सरकार के इस रूख के कारण पेट्रोल पंप संचालकों ने भी मनमानी शुरू कर दी है। गाड़ियों के शोरूम और मैकेनिकों के यहां बड़ी संख्या में गाड़ियां मरम्मत के लिए पहुंच रही हैं। फ्यूल सिस्टम चोख हो रहे हैं। गाड़ी की टंकी खराब हो रही है। गाड़ी झटके लेकर चल रही है। उपभोक्ता लगातार शिकायत कर रहे हैं, लेकिन सरकार उन शिकायतों का निराकरण करने के स्थान पर एक तरह से वाहन चालकों और पेट्रोल उपभोक्ताओं को धमकाने में लगी हुई है। जिसके कारण अब लोगों में गुस्सा देखने को मिल रहा है।

आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल और कांग्रेस पार्टी ने भी इस मामले में जन आंदोलन की तैयारी शुरू कर दी है। इतने बड़े पैमाने पर गुस्सा होने के बाद भी यदि सरकार इस मामले में कोई उपयुक्त निर्णय नहीं ले रही है तो यह आश्चर्य करने वाला विषय है। इससे ऐसा लगता है कि इस सरकार को जनता के गुस्से और वोट की कोई चिंता नहीं है। सरकार को विश्वास है जनता कितनी भी नाराज हो जीत तो उसी की होनी है। यही आत्मविश्वास पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी और सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के बयानों में दिख रहा है। अन्यथा वह उपभोक्ताओं की शिकायतों को दूर करने की दिशा में कार्यवाही करते। मिलावटी पेट्रोल को सरकार जब स्वयं महंगी कीमत पर बेच रही है। शुद्ध पेट्रोल 167 से 170 रुपए लीटर में बेच रही है। इससे उपभोक्ताओं का गुस्सा बढ़ना स्वाभाविक है। पिछले कई वर्षों से जब कच्चे तेल का दाम कम था, पेट्रोलियम कंपनियों ने लाखों करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया, इसका कोई भी लाभ उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचा। अब पेट्रोल और डीजल के नाम पर सरकार द्वारा इथेनॉल की मिलावट कर जो लूट की तैयारी की जा रही है उसकी आम जनता के बीच में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हो रही है।

नशाखोरों पर कानून का शिकंजा -भारत सरकार का ऐतिहासिक नीतिगत प्रहार, कानूनी लीक़ेजेस बंद कर नशाखोरों पर चारों तरफ से

किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर दवा और मादक पदार्थों के बीच की धुंधली होती लकीर वर्तमान समय में वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए एक अभूतपूर्व चुनौती बन चुकी है। पारंपरिक रूप से समाज जिन रसायनों को चिकित्सा,शारीरिक रिकवरी और उपचार का माध्यम मानता आया है,आज वही रसायन एक छिपे हुए वैश्विक महामारी के रूप में युवा पीढ़ी को अपनी गिरफ्त में ले रहे हैं। इस गंभीर संकट को भांपते हुए,भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने एक युगांतकारी कदम उठाते हुए औषधि नियम,1945 में ऐतिहासिक संशोधन किया है।भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आधिकारिक गज़ट नोटिफिकेशन 8 जुलाई 2026 (ज़ी.एस.आर.607(ई) को जारी किया गया,आधिकारिक गज़ट में प्रकाशित होने के बाद, इन नए सख्त नियमों को देश भर में पूरी तरह प्रभावी होने के लिए छह महीने का समय दिया गया है। इस प्रकार, दवा निर्माताओं और फार्मेसियों के लिए यह संशोधन जनवरी 2027 से अनिवार्य रूप से लागू माना जाएगा ताकि तब तक उद्योग जगत पैकेजिंग और फॉर्मूलेशन में आवश्यक बदलाव कर सके इस नए कानून के तहत अब ऐसी सभी ओरल लिक्विड (तरल) दवाएं, जिनमें एथिल अल्कोहल की मात्रा 12 प्रतिशत वी /वी से अधिक है और जिनकी पैकिंग 30 मिलीलीटर से बड़ी है,उन्हें पूरी तरह से नियंत्रित करते हुए शेड्यूल एच1 के दायरे में ला दिया गया है। इस कठोर विनियामक हस्तक्षेप का प्राथमिक और मूल उद्देश्य देश में कफ सिरप, टॉनिक, पाचक द्रव्यों और अन्य सुगंधित औषधीय मिश्रणों के रूप में धड़ल्ले से किए जा रहे गैर- चिकित्सीय नशे और फार्मास्युटिकल दुरुपयोग की जड़ों पर प्रहार करना है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र अधिवक्ता होने के नाते बता दूं कि नशे के आदी लोगों और विशेषकर किशोरों द्वारा कानून की कमियों का फायदा उठाकर किया जाने वाला यह दुरुपयोग केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक वैश्विक विनियामक चिंता का विषय रहा है। लंबे समय से कुछ विशिष्ट औषधीय फॉर्मूलेशन,जैसे कि अदरक, इलायची और पुदीने के टिंचर तथा कई पारंपरिक स्वास्थ्य टॉनिक, औषधि नियम,1945 के शेड्यूल क़े, के तहत लाइसेंसिंग आवश्यकताओं से पूरी तरह मुक्त थे।इस छूट कापरिणाम यह हुआ कि जिन दवाओं में अल्कोहल की सांद्रता 80 प्रतिशत से 90 प्रतिशत तक थी,वे भी बाजार में बिना किसी सख्त निगरानी के ओवर-द- काउंटर यानी बिना पर्ची के आसानी से उपलब्ध थीं। कई राज्य सरकारों द्वारा इस पर गहरी चिंता जताए जाने के बाद केंद्र सरकार ने शेड्यूल क़े से इस छूट को तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया है, जिससे अब इन दवाओं के निर्माण, भंडारण और वितरण के लिए औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के तहत अनिवार्य रूप से लाइसेंस लेना होगा। यह संशोधन सीधे तौर पर उस छिपे हुए और सामाजिक रूप से स्वीकृत नशे की आपूर्ति श्रृंखला को तोड़ता है, जो बिना किसी रोक-टोक के समाज में सटीकता से जहर घोल रही थी। साथियों बात अगर हम विशिष्ट विनियामक कानूनीधाराएं और दंडात्मक प्रावधानइस कानून को जमीन पर सख्ती से लागू करने के लिए सरकार ने इसे औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम,1940 ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट ,1940 के दंडात्मक प्रावधानों से जोड़ा है। अधिनियम की धारा 18(सी) के तहत बिना वैध निर्माण या बिक्री लाइसेंस के इन दवाओं का भंडारण या वितरण करना एक संज्ञेय और गैर-जमानती अपराध माना जाएगा। नए संशोधनों के तहतःशेड्यूल एच1 नियमों के प्रथम उल्लंघन परः यदि कोई केमिस्ट या फार्मासिस्ट पहली बार बिना डॉक्टर के पर्चे के 12 प्रतिशत से अधिक अल्कोहल वाली दवा बेचते या बिक्री का 3 वर्ष का रिकॉर्ड न मेंटेन करते हुए पकड़ा जाता है, तो राज्य दवा नियामक प्राधिकरण द्वारा उसका लाइसेंस 15 से 30 दिनों के लिए निलंबित किया जा सकता है।बार-बार नियमों का उल्लंघन करने परः यदि कोई रिटेलर जानबूझकर नियमों की अवहेलना जारी रखता है, तो अधिनियम की धारा 27(डी) के तहत उसका दुकान लाइसेंस स्थायी रूप से रद्द किया जा सकता है। इसके साथ ही उसे न्यूनतम 3 वर्ष से लेकर अधिकतम 5 वर्ष तक की जेल की सजा और कम से कम 1 लाख रुपये का भारी वित्तीय जुर्माना भी भुगतना पड़ सकता है।सिंडिकेट या थोक डायवर्जन के मामले मेंः यदि जांच में यह साबित होता है कि किसी डिस्ट्रीब्यूटर या मैन्युफैक्चरर ने जानबूझकर नशे के सिंडिकेट को लाभ पहुंचाने के लिए थोक स्तर पर इन दवाओं की काला बाजारी की है, तो अपराध की गंभीरता को देखते हुए धारा 27(ए) के तहत आजीवन कारावास तक की कड़ी सजा का प्रावधान सटीकता से लागू हो सकता है। साथियों, समकालीन विश्व में मादक पदार्थों के सेवन के तरीकों में एक बड़ा पैराडाइम शिफ्ट या संरचनात्मक बदलाव देखा गया है। अब पारंपरिक अवैध ड्रग्स जैसे हेरोइन, चरस या कोकीन के बजाय, युवा वर्ग कानूनी रूप से उपलब्ध फार्मास्युटिकल दवाओं के दुरुपयोग की ओर तेजी से आकर्षित हो रहा है। इसके पीछे मुख्य कारण इन दवाओं का अत्यंत सस्ता होना, आसानी से मेडिकल स्टोर पर मिल जाना, गंधहीन होना और पारंपरिक नशीले पदार्थों की तरह पकड़े जाने का सामाजिक कलंक या कानूनी डर न होना है। कफ सिरप (जैसे कोडीन आधारित या उच्च अल्कोहल युक्त सिरप) और रिस्टोरेटिव टॉनिक का अत्यधिक मात्रा में सेवन कर तत्काल हाई प्राप्त करना एक वैश्विक फैशन बन चुका है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस प्रवृत्ति को फार्मा-विंडिंग या औषधीय नशे के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जहां लोग मानसिक तनाव,अकेलेपन या तात्कालिक आनंद के लिए दवाओं की पूरी की पूरी बोतलें एक बार में पी जाते हैं। साथियो,नशे के इस नए चलन ने चिकित्सा विज्ञान, समाज शास्त्रियों और नीति निर्माताओं को समान रूप से गहराई से चिंतित किया है। उच्च अल्कोहल सांद्रता वाली ये दवाएं, जब बिना किसी चिकित्सीय आवश्यकता के अत्यधिक मात्रा में शरीर में जाती हैं, तो यह सीधे केंद्रीय तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करती हैं और व्यक्ति की निर्णय क्षमता को शून्य कर देती हैं। लंबे समय तक इस तरह का सेवन करने से लीवर सिरोसिस, किडनी का फेल होना, क्रोनिक गैस्ट्राइटिस, हृदय संबंधी विसंगतियां और गंभीर मानसिक विकार जैसे अपरिवर्तनीय स्वास्थ्य जोखिम उत्पन्न होते हैं। कई मामलों में, किशोर इन कफ सिरप और टॉनिकों को अन्य सिंथेटिक दवाओं, अवसादरोधी गोलियों या नशीली गोलियों के साथ मिलाकर एक जानलेवा कॉकटेल तैयार करते हैं। यह प्रवृत्ति न केवल किसी एक देश की सीमा तक सीमित है, बल्कि दक्षिण एशिया, अफ्रीका और अमेरिकी महाद्वीपों में भी इसी तरह के फार्मास्युटिकल उत्पादों के डायवर्जन (गलत इस्तेमाल के लिए वितरण) की गंभीर घटनाएं लगातार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सटीकता से रिपोर्ट की गई हैं। साथियों, सार्वजनिक स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से देखा जाए तो सरकार का यह संशोधन एक अभेद्य सुरक्षा कवच की तरह काम करेगा। चिकित्सा जगत में दवाओं का उपयोग हमेशा तर्कसंगत,नियंत्रित और साक्ष्य- आधारित होना चाहिए, न कि उपभोक्ता की सनक पर आधारित।जब सामान्य नागरिक सर्दी-खांसी, सामान्य थकान या मामूली कमजोरी के लिए खुद ही मेडिकल स्टोर से जाकर उच्च अल्कोहल युक्त हैवी टॉनिक खरीदकर पीने लगते हैं, तो वे अनजाने में ही अपनी शारीरिक प्रणालियों को गंभीर खतरे में डाल रहे होते हैं। स्व- दव की इस घातक आदत के कारण वास्तविक बीमारी के लक्षण तो कुछ समय के लिए छिप जाते हैं, लेकिन अंदर ही अंदर शरीर को अल्कोहल और अन्य रसायनों की गंभीर लत लग जाती है।इस संशोधन के माध्यम से सरकार ने एक बेहद स्पष्ट और कड़ा संदेश दिया है कि जन स्वास्थ्य की रक्षा किसी भी व्यावसायिक लाभ या औद्योगिक सुगमता से बहुत ऊपर है, इन दवाओं को शेड्यूल एच 1 में स्थानांतरित करने से यह सुनिश्चित होगा कि कोई भी व्यक्ति केवल और केवल डॉक्टर की लिखित सलाह पर ही इनका उपभोग कर सकेगा। यह कदम अंततः समाज में दवाओं के प्रति एक जिम्मेदार और सचेत व्यवहार विकसित करेगा। जब दवाओं की उपलब्धता को वैज्ञानिक आधार पर तर्कसंगत बनाया जाता है, तो इसके दीर्घकालिक परिणाम देश के स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे पर पड़ने वाले वित्तीय, सामाजिक और प्रशासनिक बोझ को कम करने के रूप में सटीकता से सामने आते हैं। साथियों संशोधन के विनियामक प्रशासनिक और तकनीकी पहलुओं को समझना अत्यंत आवश्यक है क्योंकि यह देश की पूरी दवा वितरण प्रणाली को एक पारदर्शी और जवाबदेह ढांचे में ढालता है। औषधि नियम, 1945 के तहत शेड्यूल एच1 को विशेष रूप से उन दवाओं की सख्त निगरानी के लिए पेश किया गया था, जिनके दुरुपयोग या एंटीबायोटिक प्रतिरोध पैदा करने की संभावना सबसे अधिक होती है। उच्च अल्कोहल वाली ओरल दवाओं को इस श्रेणी में शामिल करने के बाद अब देश के प्रत्येक फार्मासिस्ट या केमिस्ट को एक अलग, विशेष रजिस्टर बनाए रखना होगा। इस रजिस्टर में दवा खरीदने वाले मरीज का नाम, उसका पूरा पता, संपर्क सूत्र, प्रिस्क्रिप्शन लिखने वाले डॉक्टर का नाम, उनकी डिग्री तथा बेची गई दवा की सटीक तारीख व मात्रा दर्ज करनी होगी। इस पूरे भौतिक और डिजिटल रिकॉर्ड को न्यूनतम तीन वर्षों तक ड्रग इंस्पेक्टर्स की औचक जांच के लिए सुरक्षित रखना अनिवार्य है।

साथियों, यह व्यापक डेटा ट्रेल आपूर्ति श्रृंखला में किसी भी प्रकार के लीकेज,ब्लैक मार्केटिंग या थोक डायवर्जन को पूरी तरह से असंभव बना देता है। यदि कोई मेडिकल स्टोर अवैध रूप से इन दवाओं की बड़ी खेप किसी नशे के सिंडिकेट या अवैध वितरकों को बेचता है, तो रिकॉर्ड में विसंगति आते ही वह कानून के शिकंजे में आ जाएगा। इस प्रकार, विनियामक ढांचे में किया गया यह बदलाव केवल कागजी न होकर जमीन पर एक ठोस प्रशासनिक पकड़ सुनिश्चित करता है। इसके साथ ही, इस कानून का उल्लंघन करने वाले फार्मेसियों के खिलाफ भारी जुर्माना, लाइसेंस निलंबन और आपराधिक मुकदमे तक का प्रावधान किया गया है, जो वितरकों के मन में एक विनियामक भय पैदा करेगा।दवाओं के जरिए होने वाले नशे का सबसे दर्दनाक पहलू इसका सामाजिक ताने- बाने और पारिवारिक स्थिरता पर पड़ने वाला विनाशकारी प्रभाव है। पारंपरिक मादक पदार्थों जैसे शराब, गांजा या अफीम के सेवन पर समाज में एक गहरी सामाजिक बंदिश और शर्मिंदगी होती है, जिसके कारण कई लोग इसकी शुरुआत करने से हिचकिचाते हैं। इसके विपरीत, चूंकि कफ सिरप या हेल्थ टॉनिक आकर्षक पैकिंग में दवा की बोतलों में आते हैं, इसलिए कई बार परिवारों को बहुत देर से पता चलता है कि उनका बच्चा किसी गंभीर नशे की गिरफ्त में आ चुका है। यह साइलेंट एडिक्शन मध्यम और निम्न-मध्यम वर्गीय परिवारों को आर्थिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से पूरी तरह तबाह कर देता है, जिससे घरेलू हिंसा और अपराधों में भी वृद्धि होती है।

साथियों, जब सरकार इन उत्पादों की खुदरा बिक्री पर कड़ा पहरा लगाती है, तो इसका सीधा और सकारात्मक प्रभाव पारिवारिक स्थिरता और युवाओं के भविष्य पर पड़ता है। यह कानून उन लाखों माता-पिता के लिए एक बहुत बड़ी राहत है जो अपने बच्चों को इस छिपी हुई लत से बचाने के लिए थका देने वाला संघर्ष कर रहे थे। व्यावसायिक और फार्मास्युटिकल सप्लाई चेन में पारदर्शिता आने से उन असामाजिक तत्वों के हौसले पस्त होंगे जो मोटी कमाई करने के लिए मेडिकल स्टोर्स के माध्यम से समाज में नशे की अनधिकृत आपूर्ति करते थे। सामाजिक जवाबदेही का यह स्तर एक सुरक्षित, स्वस्थ और प्रगतिशील राष्ट्र के निर्माण के लिए अत्यंत अपरिहार्य माना जाता है।किसी भी बड़े नीतिगत या विनियामक बदलाव की तरह, इस संशोधन को भी जमीनी स्तर पर शत-प्रतिशत सफल बनाने के लिए कई व्यावहारिक और परिचालन संबंधी चुनौतियों से पार पाना होगा। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में, जहां ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य साक्षरता अभी भी एक चुनौती है, इन नियमों को पूरी तरह लागू करने में कई प्रशासनिक बाधाएं आ सकती हैं। सबसे बड़ी चुनौती सामान्य बीमारियों जैसे खांसी-जुकाम या कमजोरी के लिए खुद से दवा खरीदने की पुरानी उपभोक्ता आदत को बदलना है। इसके लिए सरकार को व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाने होंगे और क्षेत्रीय भाषाओं में विज्ञापनों के जरिए लोगों को यह समझाना होगा कि यह पाबंदी उनके स्वास्थ्य के हित में है। अतःअगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि औषधि नियम,1945 में किया गया यह संशोधन केवल एक तकनीकी विधायी परिवर्तन या प्रशासनिक आदेश नहीं है, बल्कि यह सार्वजनिक स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की राज्य की संप्रभु प्रतिबद्धता का एक ज्वलंत उदाहरण है।दवाओं में अल्कोहल की सांद्रता और पैकिंग के आकार को कड़े विनियामक नियमों के दायरे में लाकर सरकार ने देश की अमूल्य युवा शक्ति को फार्मास्युटिकल नशे के आत्मघाती चंगुल में फंसने से बचाने के लिए एक मजबूत और अभेद्य सुरक्षा दीवार खड़ी कर दी है।

श्री राम मंदिर चढ़ावा प्रकरणः चोरी, गबन, डकैती या कमीशनखोरी?

पिछले एक माह से श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावे, दानराशि, बहुमूल्य आभूषणों, निर्माण के कार्य, निर्माण सामग्री की खरीद तथा कर्मचारियों की नियुक्तियों में कथित अनियमितताओं को लेकर पूरे देश में व्यापक चर्चा चल रही है। आरोप, प्रत्यारोप, खंडन, समर्थन और सफाई सब कुछ एक साथ सामने आ रहा है। मीडिया की सुर्खियों में यह विषय लगातार बना हुआ है और करोड़ों श्रद्धालुओं के मन में आशंकाओं से भरे अनेक प्रश्न उठ रहे हैं।

राजीव खंडेलवाल

यहां किसी को दोषी/निर्दोष ठहराना नहीं, बल्कि सार्वजनिक रूप से दिए गए प्रमुख बयानों को एक स्थान पर प्रस्तुत करना है, ताकि पाठक स्वयं अपनी दृष्टि से पूरे घटनाक्रम सही का आकलन कर सकें।

''सी'' अक्षर का संयोग अथवा संकेत''?

इस पूरे विवाद में ''सी'' अक्षर से जुड़े अनेक शब्द चर्चा में रहे-चढ़ावा, चढ़ोत्री, चंदा, चांदी, चोरी, चैकीदार, चिंता, चेतावनी, चपत, चंपत राय और चीफ मिनिस्टर। यह मात्र भाषाई संयोग हो सकता है, किंतु इसने जनचर्चा को और अधिक रोचक बना दिया है।

''सबसे पहले किसने उठाई आवाज''?

पूर्व लेखा अधिकारी महिपाल सिंह, जो वर्ष 2021-22 में मंदिर के लेखा विभाग से जुड़े रहे, इस विवाद के पहले प्रमुख ''व्हिसलब्लोअर'' के रूप में सामने आए। 9 जून 2026 को दिए गए एक विस्तृत साक्षात्कार में उन्होंने दावा किया कि उन्होंने स्वयं नकद चढ़ावे में कथित अनियमितताएं देखीं, शिकायतें। कुछ सीसीटीवी फुटेज हटाए गए, बहुमूल्य आभूषणों का पारदर्शी डिजिटल रिकॉर्ड नहीं रखा गया। शिकायत की। परन्तु उन्हें ही पद से हटा दिया गया। दूसरी ओर, ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने इन सभी आरोपों का खंडन करते हुए व्यवस्था को पूरी तरह पारदर्शी और ऑडिट बताया।

''उत्तराधिकारी महंत ने भी उठाए प्रश्न?''

महंत नृत्य गोपाल दास के उत्तराधिकारी महंत कमल नयन दास ने भी प्रारंभिक अत्यंत तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उनका कहना था कि यदि जांच करने वाले ही ईमानदार नहीं होंगे तो निष्पक्ष जांच कैसे होगी? उन्होंने यह भी कहा कि जो लोग पहले सामान्य जीवन जीते थे, आज वे आलीशान संसाधनों के स्वामी बन चुके हैं।

''विनय कटियार की तल्ख टिप्पणी''।

राम जन्मभूमि आंदोलन के प्रमुख चेहरों में रहे फैजाबाद (अयोध्या) के पूर्व सांसद विनय कटियार ने कई अवसरों पर कठोर शब्दों का प्रयोग किया। उन्होंने कहा कि यदि ट्रस्ट में चोरी हुई है तो दोषियों को जेल जाना चाहिए। उन्होंने ट्रस्ट के पुनर्गठन तथा न्यायिक निगरानी में जांच की मांग भी की। बाद के बयानों में उन्होंने यह तक कहा कि धन के गबन के संकेत स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं और भविष्य में कुछ प्रमुख लोगों को जेल भी जाना पड़ सकता है।

''विश्व हिंदू परिषद का रुख''।

विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने अपेक्षाकृत संतुलित रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि जो भी दोषी होगा, उसके विरुद्ध कार्रवाई होनी चाहिए, चाहे वह कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो। साथ ही उन्होंने यह विश्वास भी व्यक्त किया कि जांच में सत्य सामने आएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उच्चतम न्यायालय के निर्णय के बाद मंदिर निर्माण और संचालन का दायित्व ट्रस्ट के पास है, विश्व हिंदू परिषद के पास नहीं।

''नृपेंद्र मिश्रा की महत्वपूर्ण टिप्पणी''। आश्चर्यचकित करने वाली।

मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष ट्रस्टी नृपेंद्र मिश्रा ने प्रारंभ में इसे ट्रस्ट का आंतरिक विषय बताया, किंतु बाद में उन्होंने कहा कि यदि चढ़ावे में अनियमितता हुई है तो यह करोड़ों श्रद्धालुओं के विश्वास के साथ विश्वासघात है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि मंदिर की आय-व्यय का दैनिक विवरण सार्वजनिक पोर्टल पर उपलब्ध कराया जाना चाहिए, जिससे किसी प्रकार की शंका शेष न रहे।

''संत समाज की चिंता''।

हनुमानगढ़ी के महंत धर्मदास ने ट्रस्ट की कार्यप्रणाली पर प्रश्न उठाते हुए वित्तीय पारदर्शिता बढ़ाने की मांग की। उनका कहना था कि चढ़ावे, सोने-चांदी और भूमि संबंधी मामलों का स्पष्ट विवरण सार्वजनिक होना चाहिए। उन्होंने एसआईटी जांच का स्वागत तो किया, किंतु निष्पक्ष और शीघ्र जांच पर बल दिया।

''स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद शंकराचार्य''। ज्योतिर्मठ

1.ट्रस्ट के संत साधू केवल दिखावा, उन्हें वास्तविक अधिकार नहीं।

2.एसआईटी जांच ढ़ोग।

3.चोर ही रखवाला।

4. चंपत शब्द का अर्थ चपत लेकर भाग जाना।

स्वामी सदानंद सरस्वतीः शारदा पीठ के अनंत श्री विभूषित जगद्गुरु शंकराचार्य

1. 22 जून 2026: आस्था पर ढाका।

''ट्रस्ट के भीतर से अलग-अलग स्वर''।

ट्रस्ट सदस्य महंत दिनेंद्र दास ने महासचिव चंपत राय का बचाव किया, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि यदि चोरी हुई है तो दोषियों को कठोर दंड मिलना चाहिए। दूसरी ओर उन्होंने व्यवस्थागत कमियों की ओर भी संकेत किया।

ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरी का यह बयान भी आश्चर्यजनक है कि वे अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता नहीं हैं। उनके पास चैकबुक नहीं है। उन्होंने सिर्फ दो बार नगद प्राप्त किया जिसकी रसीद दी। दैनिक नकद लेन-देन की जानकारी उनके पास नहीं रहती।

''बृजभूषण शरण सिंह का संकेत''।

पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि ''बिना धुएं के आग नहीं लगती''। बाद में उन्होंने यह भी कहा कि यह खेल नया नहीं है और वे पहले भी इस संबंध में अपनी बात कह चुके हैं।

''निर्माण कार्य में कथित कमीशनखोरी?''

निर्माण कार्य से जुड़े सेवानिवृत्त अभियंता दीनानाथ वर्मा ने आरोप लगाया कि एक ठेकेदार से कथित रूप से 40 प्रतिशत कमीशन मांगा गया था और बिल उसी अनुरूप बढ़ाने का प्रयास हुआ। संबंधित ठेकेदार ने इन आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया। इस प्रकार यह मामला भी जांच का विषय बन गया।

''निष्कर्ष''।

किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले यह देखना आवश्यक है कि आखिर कौन क्या कह रहा है। यदि केवल विपक्ष आरोप लगा रहा होता तो बात अलग होती, किंतु इस प्रकरण की विशेषता यह है कि राम मंदिर आंदोलन से जुड़े अनेक प्रमुख चेहरे, संत, ट्रस्ट से जुड़े लोग, पूर्व अधिकारी तथा स्वयं आंदोलन के अग्रणी कार्यकर्ता भी अलग-अलग स्तर पर गंभीर प्रश्न उठा रहे हैं। दूसरी ओर ट्रस्ट ने अधिकांश आरोपों का खंडन करते हुए अपनी कार्यप्रणाली को पारदर्शी और नियम सम्मत बताया है। सत्य क्या है, इसका अंतिम निर्णय न तो मीडिया करेगा, न राजनीति और न ही जनभावनाएं। इसका उत्तर केवल निष्पक्ष जांच, साक्ष्यों और विधिक प्रक्रिया से ही मिलेगा जो क्या हो रही यह भी एक बड़ा प्रश्न है? फिलहाल एक नई कहावत बन गई है ।

विश्व जनसंख्या दिवस पर चैनपुर में जागरूकता की अलख! 'छोटा परिवार, सुखी परिवार' का संदेश लेकर निकली भव्य रैली, सैकड़ों लोगों ने लिया जनसंख्या स्थिरता का संकल्प

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत चैनपुर में जनसंख्या नियंत्रण, परिवार नियोजन और मातृ-शिशु स्वास्थ्य के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से सोमवार को भव्य जागरूकता रैली एवं पदयात्रा का आयोजन किया गया ग्राम पंचायत के सरपंच के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रतिनिधियों तथा विभिन्न संस्थाओं से जुड़े लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया पूरे आयोजन के दौरान गांव में जनजागरूकता का माहौल बना रहा और प्रतिभागियों ने 'छोटा परिवार, सुखी परिवार' तथा 'स्वस्थ परिवार, समृद्ध समाज' का संदेश घर-घर तक पहुंचाने का प्रयास किया। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर आयोजित इस रैली का उद्देश्य केवल जनसंख्या वृद्धि के प्रति लोगों को जागरूक करना ही नहीं बल्कि परिवार नियोजन, महिलाओं के स्वास्थ्य, बच्चों के बेहतर भविष्य और संतुलित विकास के महत्व को भी समझाना था रैली गांव के प्रमुख मार्गों से होकर निकली जहां प्रतिभागियों ने हाथों में जागरूकता संबंधी तख्तियां और बैनर लेकर लोगों को बढ़ती जनसंख्या के सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय प्रभावों की जानकारी दी इस दौरान ग्रामीणों से अपील की गई कि वे परिवार नियोजन के सुरक्षित और वैज्ञानिक उपाय अपनाकर अपने परिवार तथा समाज के उज्ज्वल भविष्य में योगदान दें। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों ने बताया कि बढ़ती जनसंख्या का सीधा प्रभाव शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आवास, प्राकृतिक संसाधनों और पर्यावरण पर पड़ता है यदि परिवार छोटा और योजनाबद्ध होगा तो बच्चों को बेहतर शिक्षा, पौष्टिक आहार, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं और सुरक्षित भविष्य उपलब्ध कराया जा सकता है इसी उद्देश्य से सरकार विभिन्न योजनाओं और स्वास्थ्य कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को परिवार नियोजन अपनाने के लिए लगातार प्रेरित कर रही है रैली के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं ने ग्रामीणों से संवाद स्थापित कर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच बच्चों के टीकाकरण, पोषण और परिवार नियोजन के महत्व पर भी जानकारी साझा की महिलाओं को यह भी बताया गया कि स्वस्थ मां और स्वस्थ बच्चे ही मजबूत समाज की नींव होते हैं इसलिए विवाह की उचित आयु, बच्चों के बीच उचित अंतराल और स्वास्थ्य सेवाओं का समय पर लाभ लेना बेहद आवश्यक है कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पैरा लीगल वॉलंटियर (पीएलवी) अंजनी यादव एवं अजय विश्वकर्मा ने भी लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं और कानूनी अधिकारों की जानकारी दी उन्होंने कहा कि जनसंख्या स्थिरता केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं बल्कि समाज की साझा जिम्मेदारी है जब प्रत्येक परिवार जागरूक होगा तभी सामाजिक और आर्थिक विकास की गति तेज होगी। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से जिला कार्यक्रम अधिकारी आदित्य शर्मा, मिशन शक्ति हब की जेंडर विशेषज्ञ शैलजा गुप्ता, अनीता शाह, सखी वन स्टॉप सेंटर की केंद्र प्रशासक प्रियंका राजवाड़े, आंगनबाड़ी सुपरवाइजर शिल्पा अग्रवाल, रत्ना सिदार और वीणा वर्मा सहित अनेक अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। सभी ने ग्रामीणों से अपील की कि वे स्वास्थ्य विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित परिवार कल्याण एवं जनजागरूकता कार्यक्रमों का लाभ उठाएं तथा दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। रैली के समापन पर सभी प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से जनसंख्या स्थिरता, परिवार नियोजन और मातृ-शिशु स्वास्थ्य के प्रति अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करने का संकल्प लिया उन्होंने यह भी कहा कि समाज के हर वर्ग की भागीदारी से ही जनसंख्या नियंत्रण जैसे महत्वपूर्ण लक्ष्य को सफल बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में सैकड़ों आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं और स्थानीय नागरिकों की सक्रिय भागीदारी ने आयोजन को प्रभावशाली बना दिया पूरे गांव में जागरूकता का संदेश गूंजता रहा और लोगों ने परिवार नियोजन को बेहतर जीवन, स्वस्थ परिवार और समृद्ध समाज की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। आयोजन के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि जनसंख्या संतुलन केवल विकास का आधार ही नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की भी मजबूत नींव है।

एमसीबी में डिजिटल प्रशासनिक प्रणालियों पर एक दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी संतन देवी जांगड़े के निर्देशानुसार सोमवार को कलेक्टर कार्यालय में जिले के विभिन्न विभागों के कर्मचारियों के लिए डिजिटल प्रशासनिक प्रणालियों पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया प्रशिक्षण कार्यक्रम डिप्टी कलेक्टर इंदिरा मिश्रा की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इसमें सहायक ग्रेड-1, सहायक ग्रेड-2, सहायक ग्रेड-3, संविदा कर्मचारी तथा कलेक्टर दर पर कार्यरत कर्मचारियों ने भाग लिया प्रशिक्षण का उद्देश्य कर्मचारियों को शासन द्वारा संचालित विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म एवं ऑनलाइन पोर्टलों के उपयोग में दक्ष बनाना, कार्यालयीन कार्यों में पारदर्शिता और गति लाना तथा नागरिकों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराना था ईडीएम नारायण केवट एवं श्रवण कुमार ने सभी पोर्टलों की कार्यप्रणाली का चरणबद्ध एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण देते हुए प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। कार्यक्रम में IGOT प्लेटफॉर्म पर पंजीयन, प्रोफाइल अपडेट, ऑनलाइन प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में नामांकन, मूल्यांकन और प्रमाण-पत्र डाउनलोड करने की प्रक्रिया समझाई गई। इसके अलावा MDO पोर्टल पर विभागीय कार्यों की ऑनलाइन मॉनिटरिंग, योजनाओं की प्रगति, रिपोर्ट तैयार करने और दस्तावेज अपलोड करने की प्रक्रिया का प्रशिक्षण दिया गया। वहीं e-Office प्रणाली के तहत ई-फाइल तैयार करना, डिजिटल नोटशीट, दस्तावेज अपलोड, डिजिटल हस्ताक्षर तथा ऑनलाइन अनुमोदन एवं फाइल निस्तारण का व्यवहारिक प्रदर्शन भी कराया गया। प्रशिक्षण में साइबर सुरक्षा, सुरक्षित लॉगिन, मजबूत पासवर्ड, डेटा एंट्री और तकनीकी त्रुटियों के निराकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी विस्तार से जानकारी दी गई। डिप्टी कलेक्टर इंदिरा मिश्रा ने कहा कि डिजिटल प्रशासन सुशासन की आधारशिला है और सभी कर्मचारियों को ऑनलाइन प्रणालियों का प्रभावी उपयोग कर पारदर्शी, जवाबदेह और समयबद्ध शासकीय सेवाएं सुनिश्चित करनी चाहिए।

नर्मदापुरम में साइबर ठगी के दो मामले ,राजस्थान पत्रिकाय फाइल से रिटायर्ड पटवारी के खाते से 2.91 लाख उड़ाए, दोस्त बनकर शिक्षिका से 45 हजार ठगे

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। जिले में साइबर अपराधियों ने एक बार फिर नए-नए तरीकों से लोगों को अपना शिकार बनाया है अलग-अलग घटनाओं में एक रिटायर्ड पटवारी के बैंक खाते से 2.91 लाख रुपये और एक निजी स्कूल की शिक्षिका से 45 हजार रुपये की ठगी कर ली गई दोनों मामलों में पुलिस ने शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है तथा लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। पहला मामला पिपरिया का है जहां रिटायर्ड पटवारी नारायण ठाकुर के मोबाइल पर 5 जुलाई की रात व्हाट्सएप के माध्यम से एक संदिग्ध APK फाइल भेजी गई। अनजाने में फाइल डाउनलोड करते ही साइबर ठगों ने उनके मोबाइल का एक्सेस और जरूरी डाटा हासिल कर लिया। इसके बाद आरोपियों ने उनके बैंक खाते से चार-पांच अलग-अलग ट्रांजैक्शन के जरिए कुल 2.91 लाख रुपये दूसरे खाते में ट्रांसफर कर दिए नारायण ठाकुर को दो दिन बाद बैंक खाते से राशि निकलने की जानकारी मिली इसके बाद उन्होंने पिपरिया थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई पुलिस ने मामला दर्ज कर साइबर सेल की मदद से जांच शुरू कर दी है दूसरी घटना नर्मदापुरम शहर की है जहां एक निजी स्कूल की शिक्षिका को ठग ने उनके पति के दोस्त बनकर निशाना बनाया पहले आरोपी ने शिक्षिका के पति संजय को फोन कर खुद को उनका परिचित बताते हुए मदद की बात कही संजय के पास एंड्रॉयड फोन नहीं होने के कारण उन्होंने पत्नी का मोबाइल नंबर दे दिया इसके बाद ठग ने शिक्षिका को फोन कर बताया कि वह अस्पताल में है और तकनीकी दिक्कत के कारण सीधे पैसे ट्रांसफर नहीं कर पा रहा है उसने भरोसा दिलाते हुए एक बारकोड भेजा और उसमें राशि भेजने के लिए कहा। शिक्षिका ने उसकी बातों पर विश्वास कर अपने खाते से 26 हजार रुपये और बेटी के खाते से 19 हजार रुपये, कुल 45 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। जब आरोपी ने 1.80 लाख रुपये और भेजने का दबाव बनाया तब शिक्षिका को संदेह हुआ पति से बातचीत करने पर पता चला कि फोन करने वाला व्यक्ति उनका दोस्त नहीं बल्कि साइबर ठग था। इसके बाद उन्होंने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है कोतवाली थाना प्रभारी गौरव सिंह बुंदेला ने बताया कि साइबर अपराधी लगातार नए तरीके अपनाकर लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं उन्होंने नागरिकों से अपील की कि किसी भी अज्ञात APK फाइल, लिंक या QR कोड पर भरोसा न करें और किसी अनजान व्यक्ति के कहने पर पैसे ट्रांसफर न करें यदि किसी के साथ साइबर ठगी होती है तो तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं और नजदीकी पुलिस थाने में सूचना दें।

लगातार चाकूबाजी से भड़के ग्रामीण, इटारसी में एफसीआई के पास चक्काजाम, रात में पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। जुझारपुर रोड और आसपास के क्षेत्रों में लगातार हो रही चाकूबाजी और मारपीट की घटनाओं से नाराज ग्रामीणों का गुस्सा सोमवार को सड़क पर फूट पड़ा।जुझारपुर और देहरी गांव के लोगों ने एफसीआई के पास चक्काजाम कर पुलिस प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया।प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में बढ़ती आपराधिक गतिविधियों के बावजूद पुलिस की कार्रवाई पर्याप्त नहीं है।उन्होंने रात के समय पुलिस गश्त बढ़ाने, असामाजिक तत्वों पर सख्त कार्रवाई करने और क्षेत्र में कानून-व्यवस्था मजबूत करने की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि जमानी रोड पर रात होते ही असामाजिक तत्व सक्रिय हो जाते हैं नशे की हालत में बदमाश राहगीरों से विवाद करते हैं और चाकूबाजी व मारपीट जैसी घटनाओं को अंजाम देते हैं इससे स्थानीय लोगों में भय का माहौल बना हुआ है कई बार शिकायत करने के बावजूद स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं होने से लोगों ने विरोध प्रदर्शन का रास्ता अपनाया हाल ही में हुई एक गंभीर घटना ने ग्रामीणों के आक्रोश को और बढ़ा दिया तीन दिन पहले पांच नाबालिग बदमाशों ने चार युवकों पर चाकू से हमला कर दिया था इस हमले में गंभीर रूप से घायल सुधांशु महतो की हालत बिगड़ने पर उसे भोपाल के बंसल अस्पताल रेफर किया गया सोमवार को उसके पिता ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि उनके इकलौते बेटे पर जानलेवा हमला करने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाना चाहिए। इसी बीच रविवार रात जुझारपुर निवासी राकेश चौरे पर भी चाकू से हमला कर दिया गराकेश रेलवे स्टेशन पर कार्यरत हैं और ड्यूटी से घर लौट रहे थे रास्ते में उनकी बाइक खराब हो गई तभी कुछ बदमाशों ने उन पर हमला कर दिया हमले में उनके हाथ, पैर और कमर के नीचे चाकू के कई वार किए गए जिससे वे घायल हो गए देहरी ग्राम पंचायत की सरपंच पूजा उइके, जुझारपुर की सरोज बाई और जनपद संघ अध्यक्ष रविकांत सहित अन्य ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की कि जमानी रोड और आसपास के क्षेत्रों में रात के समय नियमित पुलिस गश्त बढ़ाई जाए साथ ही सड़कों और चौक-चौराहों पर जन्मदिन के नाम पर होने वाली भीड़, शराबखोरी, हुड़दंग और असामाजिक गतिविधियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई की जाए ग्रामीणों का कहना है कि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो क्षेत्र में अपराध की घटनाएं और बढ़ सकती हैं।

सतपुड़ा सफारी में रोमांच का डबल डोज बाघ, भालू और तेंदुए के दीदार से पर्यटक हुए रोमांचित

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के बागड़ा बफर क्षेत्र में रविवार को जंगल सफारी पर पहुंचे पर्यटकों को रोमांच से भर देने वाला अनुभव मिला सफारी के दौरान पर्यटकों ने न केवल बाघ का बेहद करीब से दीदार किया, बल्कि भालू और तेंदुए की भी झलक देखने को मिली अचानक सफारी ट्रैक पर आए बाघ और बाद में गेट के पास दिखाई दिए भालू व तेंदुए ने पर्यटकों की यात्रा को यादगार बना दिया कई पर्यटकों ने इन दुर्लभ पलों को अपने कैमरों में कैद किया बारिश के मौसम में सतपुड़ा टाइगर रिजर्व का कोर जोन पर्यटकों के लिए बंद रहता है ऐसे में बफर क्षेत्र जंगल प्रेमियों और वन्यजीव फोटोग्राफरों के लिए प्रमुख आकर्षण बना हुआ है हरियाली से सराबोर जंगल और वन्यजीवों की बढ़ी सक्रियता के कारण बड़ी संख्या में पर्यटक यहां सफारी का आनंद लेने पहुंच रहे हैं। पर्यटकों ने बताया कि जमनी देव क्षेत्र में घने जंगल से निकलकर एक

विशाल बाघ कुछ देर के लिए सफारी ट्रैक पर आ गया बाघ ने सड़क किनारे अपनी मौजूदगी के संकेत छोड़े और फिर धीरे-धीरे जंगल की ओर लौट गया इस दौरान सफारी वाहन में सवार पर्यटकों ने शांत रहकर इस दुर्लभ दृश्य का आनंद लिया और कई शानदार तस्वीरें व वीडियो रिकॉर्ड किए। शाम के समय सफारी से लौटते हुए गेट के पास एक तेंदुआ और भालू भी दिखाई दिए जिससे रोमांच और बढ़ गवहीं बफर क्षेत्र के परसापानी सब स्टेशन के आसपास दो अलग-अलग स्थानों पर बाघ और पैंथर के ताजा पगमार्क भी मिले सफारी के दौरान नीलगाय, सांभर, चीतल, जंगली सूअर सहित कई अन्य वन्यजीव भी पर्यटकों को नजर आए, जिससे जंगल का प्राकृतिक सौंदर्य और अधिक आकर्षक दिखाई दिया बफर रेंजर विलास डोंगरे ने बताया कि मानसून के दौरान सतपुड़ा का बफर क्षेत्र अपनी सबसे खूबसूरत छटा बिखेरता है। बारिश के कारण पूरा जंगल हरियाली की चादर ओढ़ लेता है इस मौसम में रंग-बिरंगी तितलियां, विभिन्न प्रजातियों के पक्षी, कीट-पतंगे और वनस्पतियां प्रकृति प्रेमियों को विशेष आकर्षित करती हैं उन्होंने बताया कि पिछले कुछ दिनों से बफर क्षेत्र में बाघ सहित अन्य शिकारी वन्यजीवों की सक्रियता लगातार बढ़ी है जिससे पर्यटकों का उत्साह भी बढ़ा है वन विभाग ने पर्यटकों से सफारी के दौरान सभी सुरक्षा नियमों का पालन करने और वन्यजीवों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की है।

100' मूंग खरीदी की मांग पर किसानों का आंदोलन तेज, सिवनी मालवा में अनिश्चितकालीन धरना, सुंदरकांड पाठ कर सरकार से की जल्द निर्णय की अपील

मीडिया ऑडीटर, सिवनी (निप्र)। ग्रीष्मकालीन मूंग की शत-प्रतिशत समर्थन मूल्य पर खरीदी सहित विभिन्न मांगों को लेकर भारतीय किसान यूनियन का अनिश्चितकालीन धरना लगातार जारी है तहसील कार्यालय के सामने चल रहा यह आंदोलन रविवार को चौथे दिन में प्रवेश कर गया आंदोलन के दौरान किसानों ने धार्मिक आस्था का परिचय देते हुए रविवार रात सामूहिक सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया और भगवान हनुमान से किसानों के हितों की रक्षा तथा सरकार को उनकी मांगों पर शीघ्र निर्णय लेने की सद्बुद्धि देने की प्रार्थना की सुंदरकांड पाठ में भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए पूरे आयोजन के दौरान शांतिपूर्ण माहौल बना रहा किसानों ने कहा कि यह आंदोलन केवल उनकी आर्थिक सुरक्षा और खेती-किसानी से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए किया जा रहा है उनका कहना है कि जब तक सरकार ग्रीष्मकालीन मूंग की 100 प्रतिशत समर्थन मूल्य पर खरीदी सुनिश्चित नहीं करती तब तक धरना समाप्त नहीं किया जाएगा। भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रदेश के कई किसान अपनी मूंग की फसल बेचने को लेकर परेशान हैं समय पर खरीदी नहीं होने और सीमित खरीद व्यवस्था के कारण किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा उनका कहना है कि सरकार को सभी किसानों की उपज का समर्थन मूल्य पर पूर्ण रूप से क्रय करना चाहिए ताकि किसानों को बाजार में कम कीमत पर फसल बेचने के लिए मजबूर न होना पड़े किसानों ने अपनी अन्य प्रमुख मांगों में खाद वितरण व्यवस्था को पारदर्शी और सुचारु बनाने तथा ई-टोकन प्रणाली को समाप्त करने की भी मांग रखी है उनका कहना है कि वर्तमान व्यवस्था के कारण किसानों को समय पर खाद और खरीदी की सुविधा नहीं मिल पा रही है जिससे खेती प्रभावित हो रही है भारतीय किसान यूनियन ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा संगठन ने संकेत दिया है कि आने वाले दिनों में किसान तहसीलदार को अपने ट्रैक्टरों की चाबियां सौंप सकते हैं और पैदल भोपाल कूच जैसे बड़े आंदोलनात्मक कदम भी उठाए जा सकते हैं।

सीएमएचओ डॉ. अविनाश खरे ने दिखाई जागरूकता रथ को हरी झंडी, एमसीबी जिले में जनसंख्या स्थिरता पखवाड़े का शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के निर्देशानुसार एमसीबी जिले में जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा का शुभारंभ उत्साहपूर्वक किया गया। 11 से 18 जुलाई 2026 तक चलने वाले इस विशेष अभियान का उद्देश्य आमजन को परिवार नियोजन, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा जनसंख्या स्थिरीकरण के प्रति जागरूक करना है अभियान के तहत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. अविनाश खरे ने सोमवार को 220 बिस्तरीय सिविल अस्पताल, मनेंद्रगढ़ परिसर से जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह जागरूकता रथ जिले के शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ दूरस्थ ग्रामीण इलाकों में भ्रमण करेगा और लोगों को छोटे परिवार के महत्व, सुरक्षित मातृत्व तथा परिवार नियोजन के विभिन्न साधनों की जानकारी देगा इस दौरान लोगों को सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में उपलब्ध नि:शुल्क सेवाओं के बारे में भी जागरूक किया जाएगा कार्यक्रम में अस्पताल अधीक्षक डॉ. स्वप्निल तिवारी, डॉ. नम्रता चक्रवर्ती, लक्ष्मी रजक, जिला लेखा प्रबंधक रविन्द्र सिंह, विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक सुलेमान खान सहित सिविल अस्पताल के चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ. अविनाश खरे ने कहा कि जनसंख्या स्थिरीकरण केवल सरकारी योजना नहीं बल्कि समाज के संतुलित विकास और प्रत्येक परिवार की खुशहाली का आधार है उन्होंने बताया कि इस वर्ष अभियान की थीम 'जब बच्चों में हो सही अंतराल, परिवार बने स्वस्थ और खुशहाल ' रखी गई है। उन्होंने कहा कि दो बच्चों के जन्म के बीच उचित अंतराल रखने से मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी आती है तथा माता और बच्चे दोनों का स्वास्थ्य बेहतर रहता है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार पखवाड़े के दौरान जिले के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, शहरी स्वास्थ्य केंद्र एवं जिला चिकित्सालयों में परिवार नियोजन संबंधी सभी सेवाएं पूरी तरह नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी। पात्र दंपत्तियों के लिए पुरुष एवं महिला नसबंदी, कॉपर-टी (पीपीआईयूसीडी/पीएआईयूसीडी), अंतरा इंजेक्शन, छाया गोली और कंडोम जैसी अस्थायी परिवार नियोजन सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। प्रशिक्षित परामर्शदाता दंपत्तियों को सुरक्षित एवं प्रभावी विकल्पों की जानकारी देंगे जबकि एएनएम, मितानिन और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को इन सेवाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित करेंगी। अस्पताल अधीक्षक डॉ. स्वप्निल तिवारी ने बताया कि अभियान के दौरान गर्भवती महिलाओं की नियमित प्रसव पूर्व जांच (एएनसी), सुरक्षित संस्थागत प्रसव, नवजात शिशुओं की समयबद्ध देखभाल और प्रसवोत्तर परिवार नियोजन सेवाओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा स्वास्थ्य विभाग ने जिलेवासियों से अपील की है ।

बालक क्रीड़ा परिसर लालपुर में नि:शुल्क प्रवेश के लिए ट्रायल 17-18 जुलाई को

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए खेल क्षेत्र में आगे बढ़ने का सुनहरा अवसर सामने आया है कलेक्टर कार्यालय (आदिवासी विकास), मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए बालक क्रीड़ा परिसर, लालपुर में नि:शुल्क प्रवेश हेतु चयन प्रक्रिया की घोषणा की है चयन के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षण (ट्रायल) 17 एवं 18 जुलाई 2026 को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक बालक क्रीड़ा परिसर, लालपुर में आयोजित किया जाएगा आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग, रायपुर के दिशा-निर्देशों के अनुसार इस आवासीय क्रीड़ा परिसर में प्रवेश का लाभ केवल अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को मिलेगा विभाग ने बताया कि माध्यमिक शाला के विद्यार्थियों को प्रवेश प्रक्रिया में प्राथमिकता दी जाएगी प्रवेश के लिए विद्यार्थियों का चयन 10 बैटरी टेस्ट के आधार पर किया जाएगा इस शारीरिक दक्षता परीक्षा में प्रतिभागियों की फिटनेस, खेल क्षमता और शारीरिक दक्षता का मूल्यांकन किया जाएगा चयनित विद्यार्थियों को आवास, शिक्षा, खेल प्रशिक्षण और अन्य आवश्यक सुविधाएं नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि वे राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर तैयारी कर सकें।

सागर में कार ने मारी आटो को टक्कर, चालक ने रोका तो विवाद करने लगा युवक, भीड़ को टक्कर मारते हुए भागा, 3 घायल

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर के गोपालगंज थाना क्षेत्र में स्थित जिला अस्पताल रोड पर रविवार शाम हिट एंड रन का मामला सामने आया है। जिला अस्पताल के सामने एक युवक ने तेज रफ्तार कार चलाते हुए वाहनों को टक्कर मार दी। हादसे में दो युवक गंभीर रूप से घायल हुए हैं। एक युवती भी घायल हुई है। सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार चालक युवक ने पहले एक ऑटो को टक्कर मारी और ऑटो चालक से विवाद करने लगा। आसपास मौजूद लोग बीच-बचाव करने पहुंचे तो उसने कार को पीछे मोड़कर लोगों को ही टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। घायलों का आरोप है कि युवक धमकी देते हुए कह रहा था कि पुलिस मेरा कुछ नहीं करेगी।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस: घटना की सूचना गोपालगंज थाना पुलिस को दे दी गई है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। आरोपी की पहचान की जा रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया जाएगा।

आशा कार्यकर्ता ने घर में लगाई फांसी, दुपट्टे से फंदा बनाकर लटका मिला शव, फाइनेंस कंपनी में काम करता है पति

मीडिया ऑडीटर, पिपरिया (निप्र)। पिपरिया के जयप्रकाश वार्ड में सोमवार सुबह एक आशा कार्यकर्ता ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। 37 वर्षीय महिला को परिजन फंदे से उतारकर सरकारी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान राधाबाई पति रूपम पठारिया (37) के रूप में हुई है। इस घटना की खबर फैलते ही आशा कार्यकर्ताओं और मोहल्ले में हड़कंप मच गया। दिनदहाड़े हुई इस घटना से लोग अचंभित हैं। एएसआई रविंद्र पटेल ने बताया कि राधाबाई ने लाल दुपट्टे का फंदा बनाकर सीलिंग फैन से फांसी लगाई थी। सूचना मिलने पर परिजन और मोहल्ले के लोगों ने महिला को बचाने का प्रयास करते हुए फंदा काटकर नीचे उतारा और तुरंत अस्पताल पहुंचाया। मृतक की मां रानी ने बताया कि राधाबाई उनके साथ ही रहती थी। उनका पति कटनी में एक माइक्रो फाइनेंस समूह में काम करता है। राधाबाई के दो बच्चे हैं, जिनमें एक 16 वर्षीय बेटी और एक 8 वर्षीय बेटा शामिल है। रानी ने यह भी बताया कि उन्होंने बहुत मेहनत से बच्चों का पालन-पोषण किया है। आत्महत्या के कारणों को लेकर उन्होंने कहा कि ऐसी कोई बड़ी बात नहीं थी। स्टेशन रोड पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है और मर्ग कायम कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है।

सागर में हाइवा-कंटेनर भिड़े, स्टेयरिंग में फंसा ड्राइवर गंभीर घायल, बिना संकेतक स्पीड ब्रेकर बना हादसों की वजह, इसी जगह सातवीं दुर्घटना

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर के नेशनल हाईवे-44 पर रविवार देर रात बम्होरी बीका के पास तेज रफ्तार हाइवा और कंटेनर में भिड़ंत हो गई। दुर्घटना में हाइवा ड्राइवर स्टेयरिंग में

फंस गया। घटना देख आसपास के लोग और राहगीर मौके पर पहुंचे और ड्राइवर को वाहन से बाहर निकाला गया। एंबुलेंस की मदद से घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। जानकारी के अनुसार, नेशनल हाईवे पर हाइवा क्रमांक एनएल 01 एई 5742 सागर से नरसिंहपुर की ओर जा रहा था। बम्होरी तिगड्डा पर बने ओवरब्रिज से नीचे उतर रहा था। इसी दौरान हाईवे पर बम्होरी बीका के पास सड़क पर ब्रेकर बना है, लेकिन ब्रेकर पर कोई संकेतक नहीं है। अंधेरे में ब्रेकर नजर नहीं आता। इसी स्थान पर हाइवा और कंटेनर की भिड़ंत हो गई। दुर्घटना में ड्राइवर स्टेयरिंग में फंस गया। घटना देख ग्रामीण और राहगीर मौके पर पहुंचे। बम्होरी बीका निवासी मनोज ठाकुर ट्रैक्टर लेकर घटनास्थल पर पहुंचे। ट्रैक्टर की मदद से हाइवा के कैबिन को खींचा गया और स्टेयरिंग में फंसे ड्राइवर को बाहर निकाला। घायल को अस्पताल भेजा गया। घटना के समय हाईवे पर कुछ देर के लिए यातायात बाधित हुआ। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाए। जिसके बाद यातायात सुचारू हो सका।

बम्होरी बीका के पास हाईवे पर सातवीं दुर्घटना: ग्रामीणों ने बताया कि जिस हाइवा का हादसा हुआ, वह ओवरब्रिज निर्माण में उपयोग होने वाला मटेरियल लेकर जा रहा था। भारी लोड होने के कारण वह अचानक ब्रेक नहीं लगा सका और सामने बेकर पर धीमे हुए कंटेनर से जा टकराया। स्पीड ब्रेकर के आसपास बने बड़े गड्ढे भारी वाहनों का संतुलन और बिगाड़ देते हैं। जिससे दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस स्थान पर करीब 6 दुर्घटना पहले हो चुकी हैं। उन्होंने ब्रेकर पर रिफ्लेक्टर और संकेतक लगाने की मांग की है।

इंदौर-रतलाम फोरलेन पर डिवाइडर से टकराई कार, डॉक्टर की मौत

● इलाज के दौरान ससुर ने भी दम तोड़ा, भोपाल से लौट रहे थे, पत्नी-बच्चे घायल

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम-इंदौर फोरलेन पर रविवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में रतलाम के बाल चिकित्सालय में पदस्थ डॉ. मनीष सिंह और उनके 80 वर्षीय ससुर शिवनारायण राजौरिया की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ, जब परिवार भोपाल से रतलाम लौट रहा था। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह चालक को नींद की झपकी आना सामने आई है।

पुलिया के डिवाइडर से टकराई एमजी हेक्टर कार: जानकारी के अनुसार, हादसा रविवार रात करीब 3:30 बजे धराड़ के आगे और टोल नाके से पहले एक छोटी पुलिया के डिवाइडर से हुआ। एमजी हेक्टर कार (एमपी 04 सीजेड 5519) डॉ. मनीष सिंह के साढू अजय गुप्ता चला रहे थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

डॉक्टर परिवार के साथ लौट रहे थे: डॉ. मनीष सिंह अपनी पत्नी स्टेफनी गुप्ता, दो बच्चों रैना और सयाना (7), साढू अजय गुप्ता, उनकी पत्नी लवलीना गुप्ता और अपने 80 वर्षीय ससुर शिवनारायण राजौरिया के साथ भोपाल से रतलाम लौट रहे थे। हादसे के बाद टोल नाके की एंबुलेंस और बिलपांक थाना पुलिस मौके पर पहुंची। सहायक उपनिरीक्षक समसु गरवाल ने टीम के साथ घायलों को बाहर निकालकर रतलाम मेडिकल कॉलेज पहुंचाया।

● डॉक्टर की मौके पर, ससुर की इलाज के दौरान मौत

अस्पताल में डॉक्टरों ने 42 वर्षीय डॉ. मनीष सिंह को मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल उनके ससुर शिवनारायण राजौरिया ने सोमवार सुबह उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे में घायल अन्य परिजनों का इलाज जारी है।

● एक माह तक रहे थे प्रभारी सीएमएचओ

डॉ. मनीष सिंह करीब एक वर्ष पहले रतलाम में पदस्थ हुए थे। इससे पहले वे भोपाल में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) में डिप्टी डायरेक्टर के पद पर कार्यरत थे। जून माह में तत्कालीन सीएमएचओ डॉ. संध्या बेलसेरे के अवकाश पर रहने के दौरान उन्होंने एक माह से अधिक समय तक प्रभारी सीएमएचओ की जिम्मेदारी भी संभाली थी। मूल रूप से वे ग्वालियर के निवासी थे।

● नींद की झपकी को माना जा रहा हादसे का कारण

बिलपांक थाना प्रभारी अयुब खान ने बताया कि प्रारंभिक जांच में चालक को नींद की झपकी आने के कारण हादसा होना सामने आया है।

नर्मदापुरम में दो लोगों से साइबर ठगी

APK फाइल से रिटायर्ड पटवारी के खाते से 2.91 लाख उड़ाए, दोस्त बनकर शिक्षिका से 45 हजार ठगे

मीडिया ऑडीटर,नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले में साइबर ठगी के दो अलग-अलग मामले सामने आए हैं। एक मामले में ठग ने एक फाइल भेजकर रिटायर्ड पटवारी के खाते से 2.91 लाख रुपए निकाल लिए। वहीं दूसरे मामले में पति के दोस्त बनकर एक निजी स्कूल की शिक्षिका से 45 हजार रुपए ठग लिए। दोनों मामलों में पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

APK फाइल डाउनलोड करते ही खाते से निकले 2.91 लाख: जानकारी के अनुसार, पिपरिया निवासी रिटायर्ड पटवारी नारायण पिता रमेश ठाकुर ने 5 जुलाई की रात व्हाट्सएप पर आई एक APK फाइल डाउनलोड की थी। इसके बाद ठग ने उनके मोबाइल का डाटा हासिल कर लिया। इसी के जरिए उनके बैंक खाते से करीब चार-पांच बार में कुल 2.91 लाख रुपए दूसरे खाते में ट्रांसफर कर दिए।

नारायण को करीब दो दिन बाद खाते से रकम निकलने की जानकारी मिली। इसके बाद उन्होंने पिपरिया थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने रविवार रात साइबर ठगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पति के दोस्त बनकर शिक्षिका से ठगे 45 हजार: दूसरे मामले में नर्मदापुरम की एक निजी स्कूल की शिक्षिका साइबर ठगी का शिकार हुई। ठग ने पहले उनके पति संजय को फोन कर खुद को उनका दोस्त बताया और मदद मांगी। संजय ने कहा कि उनके पास एंड्रॉयड मोबाइल नहीं है, इसलिए उन्होंने पत्नी का नंबर दे दिया।

कुछ देर बाद ठग ने शिक्षिका को फोन कर कहा कि वह अस्पताल में है और तकनीकी कारणों से पैसे ट्रांसफर नहीं कर पा रहा। उसने कहा कि वह रुपए भेज रहा है, जिन्हें दिए गए बारकोड पर ट्रांसफर कर दें।

ठग की बातों में आकर शिक्षिका ने अपने खाते से 26 हजार और बेटी के खाते से 19 हजार रुपए बारकोड पर भेज दिए।

जब ठग ने 1.80 लाख रुपए और ट्रांसफर करने के लिए कहा, तब उन्हें शक हुआ। पति से बात करने पर पता चला कि कॉल करने वाला उनका दोस्त नहीं, बल्कि साइबर ठग था। इसके बाद उन्होंने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने लोगों से की अलर्ट रहने की अपील: कोतवाली थाना प्रभारी गौरव सिंह बुंदेला ने कहा कि साइबर ठग लगातार नए-नए तरीके अपनाकर लोगों को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपील की है कि किसी भी अज्ञात APK फाइल या लिंक को डाउनलोड न करें। यदि साइबर ठगी हो जाए तो तुरंत 1930 हेल्पलाइन पर शिकायत करें।

सीहोर में इंस्टाग्राम हैकिंग के शक में युवक की पिटाई, आरोप से इनकार पर लाठी-डंडों से हमला

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर में सोशल मीडिया अकाउंट हैक करने के संदेह में एक युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। यह घटना सीहोर जिले के सोठी जोड़ घाटपलासी रोड पर हुई, जहां इंस्टाग्राम हैक करने के शक में युवक को लाठी-डंडों और थप्पड़ों से पीटा गया। शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता फारुख पेशे से ड्राइवर है, उसने पुलिस को बताया कि आज (सोमवार) सुबह करीब 11:10 बजे वह काम के सिलसिले में श्यामपुर आया था। सोठी जोड़ घाटपलासी रोड पर स्थित नंदू प्रजापति की दुकान के पास पहुंचने पर ग्राम रावनखेड़ा के अनस खान और मुस्ताक खान ने उसे रोक लिया। अनस खान ने युवक पर आरोप लगाया कि उसने उसका इंस्टाग्राम अकाउंट हैक कर लिया है। जब युवक ने इस बात से इनकार किया, तो दोनों आरोपी भड़क गए और उसे गालियां देने लगे।

मारपीट की, जाते जाते धकमी देकर गए: आरोप है कि गाली देने का विरोध करने पर आरोपी मुस्ताक खान ने युवक पर डंडे से हमला कर दिया, जो उसकी नाक पर लगा। इस वार से युवक की नाक से खून बहने लगा। इसी बीच अनस खान ने भी उसके साथ हाथ-थप्पड़ों से मारपीट शुरू कर दी। चीख-पुकार सुनकर जब समीर खान नामक व्यक्ति ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, तब तक रावनखेड़ा के अन्य युवक बबला खान, शादाब खान, लईक खान, गब्बर खान और शाहरुख भी वहां पहुंच गए। इन सभी ने भी युवक के साथ मारपीट की और जाते-जाते उसे धमकी दी। पुलिस आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर रही है।

रायसेन-भोपाल मार्ग पर पलटा ईंटों से भरा ट्रक

स्टीयरिंग फेल होने से हुआ हादसा, ट्रक के नीचे दब गए चालक और हेल्पर

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले की सदलातपुर घाटी में सोमवार सुबह ईंटों से भरा एक मिनी ट्रक स्टीयरिंग फेल होने के बाद अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में चालक और हेल्पर ट्रक के नीचे दब गए। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को सुरक्षित निकालकर जिला अस्पताल भेजा गया।

ट्रक के नीचे दब गए चालक और हेल्पर: हादसे के बाद मौके से गुजर रहे राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और राहत कार्य शुरू किया। सूचना मिलते ही सैंडोरा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से ट्रक के नीचे फंसे चालक और हेल्पर को बाहर निकालकर उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया।

स्टीयरिंग फेल होने से हुआ हादसा: सैंडोरा चौकी प्रभारी शैलेंद्र ने बताया कि मिनी ट्रक रायसेन से भोपाल की ओर ईंटें लेकर जा रहा था। सदलातपुर घाटी में अचानक ट्रक का स्टीयरिंग फेल हो गया, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हुए हैं। ट्रक के शीशे टूटने से उनके शरीर में कांच के टुकड़े भी घुस गए।

कुछ देर बाधित रहा यातायात : दुर्घटना के कारण भोपाल-रायसेन मार्ग पर कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा। बाद में पुलिस और स्थानीय लोगों ने पलटे हुए ट्रक को हटाकर यातायात सुचारु कराया।

जर्जर ट्रकों पर उठे सवाल: स्थानीय लोगों का कहना है कि ईंटों का परिवहन करने वाले कई मिनी ट्रक जर्जर हालत में सड़कों पर दौड़ रहे हैं।

सतपुड़ा सफारी में बाघ, भालू और तेंदुआ दिखे

● कोर जोन बंद होने पर बफर में बढ़ा रोमांच

● पर्यटकों ने कैमरे में कैद किए दुर्लभ नजारे

ममीडिया ऑडीटर, नर्मदापुर (निप्र)। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के बागड़ा बफर रेंज में रविवार को जंगल सफारी करने आएं पर्यटकों को बाघ, भालू, तेंदुआ के दीदार हुए। सफारी ट्रैक के पास टाइगर और भालू आ गए। पर्यटकों ने इस रोमांचक नजारे को कैमरे में कैद कर लिया। टाइगर दिखने से पर्यटकों की जंगल सफारी यादगार सफल साबित हुई। बारिश के मौसम में कोर एरिया में पर्यटन बंद है। जिस वजह से एसटीआर के बफर क्षेत्र में जंगल सफारी का लुत्फ उठाने बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंच रहे हैं। पर्यटकों ने बताया कि जमनी देव में घने जंगल से बाहर निकलता एक बाघ कुछ देर के लिए जिप्सी के सामने आ गया। बाघ जंगल में अपनी निशानदेही कर रहा था। शाम को जंगल से लौटते वक्त गेट के पास तेंदुआ और भालू भी दिखे। बफर क्षेत्र के दूसरे सब स्टेशन परसापानी में पर्यटकों को दो जगह बाघ और पैंथर के पगमार्क मिले। नीलगाय, सांभर, शीतल, जंगली सूअर सहित अन्य वन्य जीव भी नजर आए।

बारिश में बफर क्षेत्र बेहद खूबसूरत: बफर रेंजर विलास डोंगरे ने बताया कि बारिश के मौसम ने जंगल को हरियाली की अद्भुत चादर से ढक दिया है। सफारी के दौरान रंग-बिरंगी तितलियां, अनेक प्रकार के कीट-पतंगे, सुंदर पक्षी और प्रकृति के अनगिनत रंग इस अनुभव को और भी यादगार बना देते हैं। प्रकृति और वन्यजीव प्रेमियों के लिए मानसून का यह समय सतपुड़ा के बफर क्षेत्र की खूबसूरती और जैव विविधता का आनंद लेने के लिए बेहद खास है।

सिविल कांट्रेक्टर का ड्राइवर ही निकला चोर, नर्मदापुरम में 5 लाख के लैपटॉप और कम्प्यूटर 1 लाख रुपए में बेंचे

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम शहर की पॉश रिवर व्यू कॉलोनी में एक सिविल कॉन्ट्रैक्टर के आवास से लाखों रूपये के लैपटॉप, डेस्कटॉप चुराने के मामले में आरोपी को अरेस्ट कर लिया। कॉन्ट्रैक्टर का ड्राइवर ही चोरी का मुख्य आरोपी निकला।

उसने चोरी छुपे घर से 8 लैपटॉप, 8 कंप्यूटर सिस्टम, विदेशी कंपनी की ढ़ाई लाख रुपए की हाथ घड़ी समेत अन्य सामान्य चुरा ले गया था। इसके बाद 7 कम्प्यूटर सिस्टम एवं 5 लैपटॉप इंदौर में अपने परिचित आफताब खान निवासी खजराना (इंदौर) को बेच दिए थे। वारदात के चार दिनों के भीतर कोतवाली पुलिस ने मुख्य आरोपी और चोरी का माल खरीदने वाले आरोपी को अरेस्ट कर लिया।

मुख्य आरोपी वाजिद गुफरान सिद्दीकी (ड्राइवर) निवासी जहांगीराबाद, भोपाल (वर्तमान पता अग्निहोत्री कॉलोनी, नर्मदापुरम), आफताब खान, निवासी खजराना इंदौर को गिरफ्तार किया। जिनसे 11लाख रुपए कीमत के 8 कम्प्यूटर सिस्टम, 8 लैपटॉप, 01 राडो कंपनी की

कलाई घड़ी, एलईडी टीवी, आरओ, इलेक्ट्रिक केतली, ट्रिमर समेत अन्य चोरी गया सामान जब्त किया।

काम से बाहर गए थे, लौटे तो सामान गायब मिला: फरियादी कपिल शर्मा रिवर व्यू कॉलोनी के फेज-2 स्थित मकान नंबर पी-124 में अपने दो साथियों के साथ किराए पर रहते हैं।

यहीं से वे अपनी कंपनी का संचालन भी करते हैं। वे मोहासा स्थित कैंपा कोला (ग्रेनटेक) कंपनी के निर्माण कार्य में लगे हुए हैं। 6 जुलाई को वे अपने साथियों के साथ काम के सिलसिले में मोहासा गए थे। इसी दौरान चोरों ने सूने मकान में घुसकर कर्मचारियों के चार लैपटॉप, पांच डेस्कटॉप, एलईडी टीवी, आरओ मशीन और ढाई लाख रुपए की महंगी घड़ी चोरी कर ली। जिसकी शिकायत उन्होंने 8 जुलाई 2026 कोतवाली थाने में दर्ज कराई थी।

● 5 लाख रुपए का माल एक लाख में बेचा

पूछताछ में आरोपी वाजिद गुफरान सिद्दीकी ने बताया कि चोरी गए 7 कंप्यूटर सिस्टम एवं 5 लैपटॉप अपने परिचित आफताब खान, निवासी खजराना (इंदौर) को बेच दिए थे। जिसके बदले उसे एक लाख रुपए दिए। शेष 4 कंप्यूटर सिस्टम, 4 लैपटॉप, विदेशी राडो कंपनी की ढ़ाई लाख रुपए कीमत की घड़ी, एलईडी टीवी, आरओ, इलेक्ट्रिक केतली, ट्रिमर सहित अन्य सामान अपने घर में छिपाकर रखा था।

● चोरी गया यह माल बरामद

8 कंप्यूटर सिस्टम, 8 लैपटॉप, 01 राडो कंपनी की कलाई घड़ी, एलईडी टीवी, आरओ, इलेक्ट्रिक केतली, ट्रिमर, अन्य चोरी गया सामान कुल मशरुका किमती लगभग 11 लाख रूपये

● ताली बजाकर उत्साहवर्धन किया

एसपी साई कृष्णा ने चोरी की इस वारदात में आरोपियों को पकड़ने और सामान बरामद करने वाले टीम को सराहना की। ताली बजाकर उत्साहवर्धन किया और 10 हजार रुपए के इनाम देने की घोषणा की। कार्रवाई में कोतवाली थाना टीआई निरीक्षक गौरव सिंह बुंदेला के नेतृत्व में सउनि संजय रघुवंशी, प्रधान आरक्षक रितेश यदुवंशी, आरक्षक - पंकेश बघेला, अविनाशी हारोडे, अजमेश चंद्रोल,हरीश डिगरसे, भिक्कू यादव तथा साइबर सेल के आरक्षक दीपेश सोलंकी की विशेष एवं सराहनीय भूमिका रही।

'आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ'

अवॉर्ड के लिए गिल, हुसैन और स्मिथ नामित

नई दिल्ली ,एजेसीं। भारतीय कप्तान शुभमन गिल के साथ बांग्लादेशी ऑलराउंडर मोसाद्देक हुसैन और न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज नाथन स्मिथ को जून महीने के 'आईसीसी मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ' अवॉर्ड के लिए नामित किया गया है। शुभमन गिल अफगानिस्तान के खिलाफ भारत की घरेलू सीरीज के दौरान जबरदस्त फॉर्म में थे और उन्होंने टेस्ट और वनडे दोनों फॉर्मेट में टीम की अगुवाई की। इस दाएं हाथ के बल्लेबाज ने महीने की शुरुआत न्यू चंडीगढ़ में खेले गए एकमात्र टेस्ट में भारत की पारी से जीत के दौरान शानदार 126 रन बनाकर की थी, जो उनके टेस्ट करियर की 11वीं सेंचुरी थी। गिल ने अपनी शानदार फॉर्म को वनडे सीरीज में भी जारी रखा, जहां उन्होंने सिर्फ दो पारियों में 238 रन बनाए। धर्मशाला में खेले गए पहले वनडे में नाबाद 84 रन बनाने के बाद, गिल ने लखनऊ में 154 रन जड़े थे। पारी के दौरान गंभीर ऐंठन से जूझने के बावजूद, गिल ने भारत की जीत सुनिश्चित करने के लिए तेजी से रन बनाए। उन्हें शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया था। भारत ने यह सीरीज 3-0 से अपने नाम की थी। दूसरी तरफ, बांग्लादेश के मोसाद्देक हुसैन ने चार साल के अंतराल के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में शानदार वापसी की।

'मेसी को रोकने में सफल रहेगा इंग्लैंड'

सेमीफाइनल मैच से पहले पूर्व खिलाड़ी जो कोल ने किया दावा

नई दिल्ली ,एजेसीं। इंग्लैंड के पूर्व फुटबॉलर जो कोल का मानना है कि फीफा वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में इंग्लैंड की टीम अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी को रोकने में सफल रहेगी। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला अटलांटा स्टेडियम में खेला जाएगा। इंग्लैंड की टीम 21 साल में पहली बार अर्जेंटीना के खिलाफ मैदान पर उतरेगी। इंग्लैंड और अर्जेंटीना की फुटबॉल प्रतिद्वंद्विता काफी पुरानी है। वर्ल्ड कप में दोनों टीमें अब तक पांच बार आमने-सामने आ चुकी हैं। इनमें 1962, 1966, 1986, 1998 और 2002 के मुकाबले शामिल हैं। जापान में हुई पिछली भिड़ंत में इंग्लैंड ने डेविड बेकहम की पेनल्टी के दम पर अर्जेंटीना को हराया था। अर्जेंटीना मौजूदा विश्व चैंपियन है। टीम ने 2022 में कतर में वर्ल्ड कप खिताब जीता था। यह अर्जेंटीना का तीसरा विश्व कप खिताब था और 36 साल बाद टीम को विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल हुआ था। हालांकि, जो कोल का मानना है कि इंग्लैंड की मजबूत आक्रमण क्षमता अर्जेंटीना के सामने बड़ी चुनौती साबित होगी।

यास्तिका भाटिया का ऐतिहासिक शतक

लॉर्ड्स टेस्ट में जीत से सिर्फ 4 विकेट दूर टीम इंडिया

नई दिल्ली ,एजेसीं। भारतीय महिला टीम ने लॉर्ड्स टेस्ट में जीत की ओर मजबूत कदम बढ़ा दिए हैं। यास्तिका भाटिया के ऐतिहासिक शतक और गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने इंग्लैंड को जीत के लिए 457 रन का विशाल लक्ष्य दिया। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक इंग्लैंड ने 130 रन पर 6 विकेट गंवा दिए हैं और उसे जीत के लिए अब भी 327 रन चाहिए, जबकि भारत को ऐतिहासिक जीत के लिए सिर्फ चार विकेट की दरकार है।

यास्तिका ने लॉर्ड्स में रचा इतिहास

तीसरे दिन यास्तिका भाटिया ने 113 रन की शानदार पारी खेलकर इतिहास रच दिया। वह लॉर्ड्स मैदान पर टेस्ट शतक लगाने वाली पहली महिला बल्लेबाज़ बन गईं। स्मृति मंधाना ने भी 70 रन का अहम योगदान दिया, जबकि ऋचा घोष ने तेज़ अर्धशतक जड़कर रन गति बढ़ाई। भारत ने दूसरी पारी 341/7 पर घोषित कर इंग्लैंड के सामने रिकॉर्ड 457 रन का लक्ष्य रखा।

457 रन के लक्ष्य के सामने बिखरा इंग्लैंड

विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। टैमी ब्यूमोंट बिना खाता खोले आउट हो गईं, जबकि संन्यास लेने जा रहीं हीदर नाइट सिर्फ 13 रन बना सकीं। कप्तान नैट साइवर-ब्रंट भी 11 रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। लगातार विकेट गिरने से इंग्लैंड का स्कोर 59/5 हो गया और टीम पूरी तरह दबाव में आ गई।

'यही मेरे दिमाग में था'

लॉर्ड्स में शतक लगाने वाली पहली महिला खिलाड़ी बनने के बाद बोलीं यास्तिका भाटिया

प्रतिष्ठित लॉर्ड्स स्टेडियम में टेस्ट शतक लगाने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनी भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया का मानना ??है कि उनका 'सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन आना अभी बाकी है।' भाटिया ने इंग्लैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में 158 गेंद पर 113 रन बनाए, जिसके बाद भारत ने तीसरे दिन चायकाल के ठीक पहले अपनी दूसरी पारी घोषित कर दी और मेजबान इंग्लैंड के सामने 457 रन का विशाल लक्ष्य रखा। भाटिया ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के बाद पत्रकारों से कहा, 'यह (लॉर्ड्स में शतक बनाने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनना) अविश्वसनीय है क्योंकि छह महीने पहले मैं पूरी तरह से विपरीत स्थिति में थी और अगर तब किसी ने कहा होता कि मेरा नाम लॉर्ड्स के सम्मान बोर्ड में होगा तो मैं इस पर विश्वास नहीं करती।' उन्होंने कहा, 'अभी तो इससे बेहतर प्रदर्शन करना बाकी है। मैं शुरू से यही मानती रही हूं कि मैं पहले से बेहतर प्रदर्शन कर सकती हूं। लेकिन अब तक का समय वाकई बहुत अच्छा रहा है। यह तो बस शुरुआत है। अभी बहुत कुछ आना बाकी है और मैं उसका बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।' उन्होंने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने परिवार, टीम के साथियों और सहयोगी स्टाफ के सदस्यों को दिया, जिन्होंने पिछले साल अक्टूबर में उनके बाएं घुटने में लगी गंभीर चोट से उबरने में उनकी मदद की। इस चोट के लिए उन्हें सर्जरी करवानी पड़ी थी और वह स्वदेश में खेले गए वनडे विश्व कप में नहीं हिस्सा नहीं ले पाई थी जिसमें भारत विजेता रहा था। भाटिया ने कहा, 'पर्दे के पीछे बहुत से लोग काम कर रहे हैं, मेरा परिवार, मेरे पिता, मां, मेरी बहन, वे मेरे लिए सबसे बड़ा सहारा रहे हैं। मेरे कोच, यहां टीम के सहयोगी स्टाफ के सदस्य और टीम के मेरे साथियों, सभी ने मेरा साथ दिया।' उन्होंने कहा, 'इसके अलावा ष्ट्रश्च (बीसीसीआई का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) भी, जहां मैंने चोट से उबरने की प्रक्रिया के दौरान काफी समय बिताया। इन सभी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इनके बिना यह संभव नहीं होता।' भाटिया ने कहा कि जब वह चोट के कारण बाहर थी तब खेल के प्रति उनके जुनून ने उन्हें सकारात्मक मानसिकता बनाए रखने में मदद की। उन्होंने कहा, 'सर्जरी के बाद मुझे बिल्कुल नए सिरे से शुरुआत करनी पड़ी। दो महीने तक मुझे पूरी तरह से आराम करना पड़ा।

युवराज ने दिया वैभव सूर्यवंशी को नया नाम

15 वर्षीय बल्लेबाज को मेंटर करने की जताई इच्छा

नई दिल्ली ,एजेसीं। भारत के पूर्व स्टार बल्लेबाज युवराज सिंह ने 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को नया नाम दिया है। युवराज ने उन्हें 'टर्मिनेटर 6' वैभव सूर्यवंशी बताया है। इसके साथ ही उन्होंने वैभव का मेंटर बनने की इच्छा भी जाहिर की है। वैभव ने भारत ए की तरफ से खेलते हुए श्रीलंका ए के खिलाफ सिर्फ 11 गेंदों में अर्धशतक लगाया था। उन्होंने लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। हालांकि, इंग्लैंड के खिलाफ मिले तीन मौकों को वैभव भुनाने में नाकाम रहे और वह 3 मैचों में सिर्फ 42 रन ही बना सके। युवराज ने 'जियोस्टार' पर कहा, 'मैं हमेशा खुद को टर्मिनेटर कहता हूं। अब 'टर्मिनेटर 4' अभिषेक शर्मा हैं, जो मुझसे चार गुना बेहतर हैं। उनके बाद 'टर्मिनेटर 6' वैभव सूर्यवंशी आते हैं, जो और भी ज्यादा बेहतर हुए हैं। मैंने अपने समय में अपना काम किया, अभिषेक ने इसे और आगे बढ़ाया, और अब वैभव नए स्टैंडर्ड सेट कर रहे हैं। यह उसी सफर का तीसरा चरण है। खेल को आगे बढ़ते हुए देखना बहुत अच्छा लगता है। ' उन्होंने आगे कहा, 'जब मैं सिनर और अल्काराज को देखता हूं, तो मुझे दिखता है कि टेनिस कैसे बदल रहा है। मुझे अभिषेक और वैभव में भी वही बदलाव दिखता है। मैंने अभिषेक को ट्रेनिंग देने में काफी समय बिताया है, और मैं वैभव के साथ भी समय बिताना पसंद करूंगा। उनका करियर बहुत शानदार होने वाला है। वह भविष्य के एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं, और मुझे यकीन है कि वह उस मुकाम तक पहुंचेंगे। 'रविवार को सूर्यवंशी और अभिषेक ने जानिक सिनर और अलेक्जेंडर ज्वेरेव के बीच हुए विंबलडन 2026 के पुरुष एकल फाइनल देखने के लिए ऑल इंग्लैंड क्लब का दौरा किया। वैभव और अभिषेक के साथ युवराज भी नजर आए। पूर्व दिग्गज बल्लेबाज से मिलने का अपना अनुभव शेयर करते हुए वैभव ने युवराज को अपना आदर्श बताया।उन्होंने कहा, 'युवराज पाजी मेरे भी आदर्श हैं। उनसे पहली बार मिलना एक खास पल था। मुझे उनके साथ समय बिताने का मौका मिला और उन्होंने खेल के बारे में कई अहम बातें बताईं।

'सपने ऐसे ही सच होते हैं',

फीफा विश्व कप 2026 में इंग्लैंड के शानदार सफर पर बोले रीस जेम्स

मियामी ,एजेसीं। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में इंग्लैंड की भिड़ंत अर्जेंटीना से होनी है। इस मुकाबले से पहले इंग्लिश टीम के मिडफील्डर रीस जेम्स ने माना कि टीम का इस विश्व कप में अब तक का सफर सपनों के सच होने जैसा रहा है। इंग्लैंड ने क्वार्टर फाइनल में नॉर्वे को रोमांचक मुकाबले में 2-1 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। नॉर्वे के खिलाफ इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। पहले हाफ में एंड्रियास श्जेल्डरप ने गोल करते हुए नॉर्वे को मैच में 1-0 से आगे कर दिया था। हालांकि, इसके बाद जूड बेलिंगहम ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए स्कोर को 1-1 से बराबर किया। इसके बाद उन्होंने अतिरिक्त समय में एक और शानदार गोल करते हुए इंग्लैंड को सेमीफाइनल का टिकट दिलाया। इंग्लैंड ने चौथी बार सेमीफाइनल में जगह बनाई है। रीस जेम्स इस मैच में बेंच से मैदान पर उतरे थे। टूर्नामेंट की शुरुआत में वह हैमस्ट्रिंग चोट से परेशान थे, लेकिन अब पूरी तरह फिट होकर टीम के लिए अहम भूमिका निभा रहे हैं।

द्रविड़ बन सकते हैं इंग्लैंड की टेस्ट टीम के मुख्य कोच

लंदन ,एजेसीं। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान व कोच रहे राहुल द्रविड़ अब इंग्लैंड की टेस्ट क्रिकेट टीम के नये मुख्य कोच बन सकते हैं। ब्रेंडन मैकुलम को टेस्ट टीम के मुख्य कोच पद से हटाए जाने के बाद से ही नये कोच के लिए अटकलें लगायी जाने लगी हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में 1-2 की करारी हार के बाद से ही इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने ब्रेंडन मैकुलम को पद से हटाने का फैसला किया है हालांकि वह सीमित ओवरों के लिए मुख्य कोच बने रहेंगे। उनकी आक्रामक क्रिकेट की बैजबॉल रणनीति टेस्ट में असफल रही है। इसी को देखते हुए बोर्ड ने उन्हें हटाने का फैसला किया है। ईसीबी का मानना है कि अगले साल होने वाली प्रतिष्ठित एशेज सीरीज से पहले टीम में बदलाव के लिए यह जरुरी है। गौरतलब है कि मैकुलम के चार साल के कार्यकाल के दौरान इंग्लैंड ने कुल 49 टेस्ट मैच खेले, जिनमें से टीम को 27 में जीत और 20 में हार का सामना करना पड़ा। इस दौरान इंग्लैंड का प्रदर्शन घरेलू मैदानों पर तो शानदार रहा, लेकिन विदेशी पिचों पर टीम का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा, जहां भारत (2023-24) और पाकिस्तान (2024-25) के दौरों पर मिली शर्मनाक सीरीज हार ने उनके बैजबॉल रणनीति को फेल कर दिया। एक रिपोर्ट के अनुसार, ईसीबी ने मैकुलम के संभावित विकल्पों की एक सूची तैयार की है, जिसमें द्रविड़ का मुख्य दावेदार के तौर पर शामिल किया गया है। द्रविड़ के अलावा जिम्बाब्वे के पूर्व कोच एंडी फ्लावर और इंग्लैंड के पूर्व इंग्लिश स्पिनर रिचर्ड डॉसन, श्रीलंका के महान बल्लेबाज कुमार संगकारा, इंग्लैंड लायंस के कोच एंड्रयू फ्लिंटॉफ भी दावेदार हैं। वहीं कोच के लिए प्रमुख दावेदार द्रविड़ की गिनती दुनिया के सबसे समझदार और रणनीतिक रूप से मजबूत कोचों में होती है। उनके मार्गदर्शन में भारतीय टीम ने 2024 टी20 विश्व कप का खिताब जीता और 2023 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल तक वह पहुंची थी। द्रविड़ की बारीक कोचिंग शैली, अनुशासन और रेड-बॉल (टेस्ट) क्रिकेट की गहरी समझ के कारण ही इंग्लैंड बोर्ड उन्हें इस पद के लिए सबसे बेहतर मान रहा है। हालांकि, रिपोर्ट यह भी बताती है कि राहुल द्रविड़ की पूर्णकालिक कोचिंग में वापसी की खास इच्छा नहीं रही है । लेकिन इंग्लैंड के टेस्ट कोच का पद उनके लिए एक बेहतर विकल्प हो सकता है, क्योंकि इसमें उन्हें घर पर बिताने के लिए लंबा समय मिलेगा और साथ ही अपने पसंदीदा प्रारूप (टेस्ट क्रिकेट) को जिंदा रखने में योगदान देने का मौका भी मिलेगा।

एक युग का हुआ अंत

18 साल बाद सीएसके से अलग हुए स्टीफन फ्लेमिंग

नई दिल्ली ,एजेसीं। पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और स्टीफन फ्लेमिंग ने 18 साल बाद अपने रास्ते अलग करने का फैसला किया है। फ्रेंचाइजी ने सोमवार को इस बात की जानकारी दी है। सीएसके ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर बताया कि चेन्नई सुपर किंग्स और हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने आपसी सहमति से अपना 18 साल का साथ खत्म करने का फैसला किया है। इस घोषणा के साथ ही लीग के इतिहास में सबसे लंबे और सबसे सफल कोचिंग कार्यकाल में से एक का समापन हुआ। यह फैसला स्टीफन फ्लेमिंग और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के मैनेजमेंट के बीच हुई बातचीत के बाद लिया गया। इसके साथ ही एक लंबे रिश्ते का अंत हो गया, जो 2008 में आईपीएल के पहले सीजन में शुरू हुआ था। उस समय न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान फ्लेमिंग खिलाड़ी के रूप में सीएसके से जुड़े थे। अगले साल यानी 2009 में उन्होंने टीम के हेड कोच की जिम्मेदारी संभाली और लंबे समय तक टीम का नेतृत्व किया। अपने कार्यकाल के दौरान फ्लेमिंग ने फ्रेंचाइजी क्रिकेट के सबसे सफल दौर में से एक का नेतृत्व किया। उनकी देखरेख में सीएसके ने पांच बार आईपीएल के खिताब पर कब्जा जमाया, जबकि दो दफा चैंपियंस लीग टी20 की ट्रॉफी को भी अपने नाम किया। इसके साथ ही टीम आईपीएल में रिकॉर्ड 12 बार प्लेऑफ में पहुंची और टीम ने 10 बार फाइनल मुकाबले में हिस्सा लिया।इस फैसले की घोषणा करते हुए सीएसके की मालकिन रूपा गुरुनाथ ने लगभग दो दशकों तक फ्रेंचाइजी में फ्लेमिंग के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा, 'स्टीफन फ्लेमिंग इस फ्रेंचाइजी के लगभग पूरे सफर में हमारी कोचिंग यूनिट की जान रहे हैं।

गांगुली और द्रविड़ के कारण संन्यास पर मजबूर हुए थे मांजरेकर

मुम्बई ,एजेसीं। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर अपने समय के एक बेहतरीन बल्लेबाज रहे हैं पर इसके बाद भी उनका करियर उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है। मांजरेकर ने इसके पीछे सौरव गांगुली और राहुल द्रविड़ के छा जाने को बताया है जिसके कारण उन्हें असमय ही संन्यास के लिए मजबूर होना पड़ा है। मांजरेकर जब भारतीय क्रिकेट में आये थे तब उनकी बल्लेबाजी तकनीक देखकर लोगों को उनमें सुनील गावस्कर की छवि नजर आयी। इस क्रिकेटर को क्रिकेट विरासत में मिला था। उनके पिता विजय मांजरेकर जिन्होंने टीम के दिग्गज बल्लेबाज रहे थे। उन्हें पूरा भरोसा था कि उनका बेटा एक दिन न सिर्फ खेलेगा, बल्कि टीम इंडिया की जर्सी भी पहनेगा जो आंखिरकार सच भी हुआ। मांजरेकर जब तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेले, उनकी पहचान एक तकनीकी रूप से बेहद सक्षम और ठोस बल्लेबाज के तौर पर रही। विशेष रूप से विदेशी पिचों पर उनका रिकॉर्ड बेहद शानदार और अनुकरणीय था। उनकी इसी लाजवाब बल्लेबाजी तकनीक के कारण साथी खिलाड़ी उन्हें कई बार मिस्टर परफेक्ट कहकर पुकारते थे। हालांकि तब सचिन तेंदुलकर उन्हें अनूठे व्यक्तित्व के कारया मिस्टार डिफरेंट नाम से बुलाते थे।

इतनी क्षमताओं के बाद भी मांजरेकर अपने करियर में वह ऐतिहासिक बुलंदी हासिल नहीं कर पाए जिसकी उनसे उम्मीद थी। इसकी वहज उन्हें साल 2018 में लॉन्च हुई अपनी आत्मकथा इंपर्फेक्ट में बतायी है। उन्होंने कहा कि द्रविड़ और गांगुली के उभरने से उनका अंतरराष्ट्रीय करियर समय से पहले ही समाप्त हो गया।

मांजरेकर ने अपनी किताब में लिखा कि जब उन्होंने खेल को अलविदा कहने का मन बनाया, तब वे टीम के एक महत्वपूर्ण बल्लेबाज थे और आउट ऑफ फॉर्म भी नहीं थे। लेकिन 1996 के ऐतिहासिक इंग्लैंड दौरे ने उनके सोचने का तरीका पूरी तरह बदल दिया। उस दौरे पर द्रविड़ और गांगुली का प्रदर्शन देखकर उन्हें लगा कि अब संन्यास लेन ही सही है। तब वे वे समझ चुके थे कि अब उनका समय पूरा हो गया है और युवाओं के लिए रास्ता छोड़ना ही बेहतर होगा।

संन्यास लेने के बाद मांजरेकर ने एक कमेंटेटर के तौर पर अपनी अलग पहचान बनायी। अपनी बेबाक राय के चलते वह कई बार विवादों में भी घिरे। मांजरेकर अपनी किताब में सचिन की आलोचना करने में भी पीछे नहीं रहे। मांजरेकर ने लिखा कि जब सचिन अपने करियर के अंतिम पड़ाव से गुजर रहे थे, तब कई बार उनकी खराब फॉर्म के बाद भी वह टीम में जमे रहे जिससे उभरत हुए खिलाड़ियों के साथ अन्याय हुआ।

विश्व जनसंख्या दिवस पर जनसंख्या स्थिरता पखवाड़े का शुभारंभ

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री ने जागरूकता रथ को दिखाई हरी झंडी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर सरगुजा जिले में जनसंख्या स्थिरता पखवाड़े का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन के संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर नागरिकों को परिवार नियोजन, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, छोटे परिवार के महत्व तथा जनसंख्या स्थिरता से जुड़े महत्वपूर्ण संदेशों से जागरूक करेगा। इस अवसर पर संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि स्वस्थ परिवार ही समृद्ध समाज और विकसित राष्ट्र की सबसे मजबूत आधारशिला है। जनसंख्या स्थिरता केवल जनसंख्या नियंत्रण का विषय नहीं, बल्कि माताओं और बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य, परिवार की आर्थिक उन्नति, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा समाज के संतुलित विकास से जुड़ा एक व्यापक सामाजिक अभियान है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परिवार यदि जिम्मेदारीपूर्वक परिवार नियोजन को अपनाए और बच्चों के जन्म के बीच उचित अंतर रखे, तो आने वाली पीढ़ी अधिक स्वस्थ, शिक्षित और सक्षम बन सकेगी। श्री अग्रवाल ने कहा कि राज्य शासन स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। परिवार नियोजन से संबंधित सभी आवश्यक सेवाएं और साधन स्वास्थ्य संस्थानों में निःशुल्क उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की भ्रांतियों या अफवाहों पर विश्वास न करें और स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जा रही वैज्ञानिक एवं सुरक्षित सेवाओं का लाभ उठाएं।

उन्होंने कहा कि छोटा, स्वस्थ और शिक्षित परिवार ही आत्मनिर्भर समाज का आधार है। जनसंख्या स्थिरता के माध्यम से मातृ मृत्यु दर, शिशु मृत्यु दर तथा कुपोषण जैसी चुनौतियों में प्रभावी कमी लाई जा सकती है। यह अभियान केवल स्वास्थ्य विभाग का नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक की सहभागिता से सफल होने वाला जनआंदोलन है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, शिक्षकों, युवाओं एवं मीडिया से इस जनहितकारी अभियान को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया। जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा 11 जुलाई से 18 जुलाई 2026 तक जिलेभर में आयोजित किया जाएगा। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग द्वारा परिवार कल्याण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, परिवार नियोजन के आधुनिक साधनों की उपलब्धता, छोटे परिवार के लाभ तथा जनसंख्या स्थिरता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। स्वास्थ्य संस्थानों, ग्राम पंचायतों तथा नगरीय क्षेत्रों में जनजागरूकता अभियान, परामर्श शिविर, प्रचार-प्रसार गतिविधियां एवं समुदाय आधारित कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को परिवार नियोजन का संदेश दिया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पी.एस. मार्को ने बताया कि बच्चों के जन्म के बीच पर्याप्त अंतर रखने से माता एवं शिशु दोनों का स्वास्थ्य बेहतर रहता है। इससे मातृ मृत्यु दर, शिशु मृत्यु दर तथा कुपोषण जैसी समस्याओं में कमी आती है। साथ ही माता-पिता अपने बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य एवं उज्ज्वल भविष्य पर बेहतर ढंग से ध्यान दे पाते हैं, जिससे परिवार का जीवन स्तर भी ऊंचा होता है। उन्होंने कहा कि परिवार नियोजन केवल जनसंख्या नियंत्रण का उपाय नहीं, बल्कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य की सुरक्षा, परिवार की आर्थिक मजबूती तथा सतत विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। पखवाड़े के दौरान जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों में इच्छुक दंपत्तियों को परिवार नियोजन संबंधी निःशुल्क परामर्श एवं सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

मिस्त्री के हाथों ने जब बनाया अपने सपनों का आशियाना

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) से साकार हुआ श्री श्यामसिंह चंद्रवंशी का वर्षों पुराना सपना

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बरसों तक दूसरों के लिए ईंट-पत्थरों से सपनों का घर खड़ा करने वाले श्री श्यामसिंह चंद्रवंशी के मन में भी एक छोटा-सा सपना पलता था। एक ऐसा पक्का घर, जिसमें उनका परिवार सुरक्षित और सम्मान के साथ रह सके। मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी जिले के विकासखंड मोहला के ग्राम गुहाटोला निवासी श्री श्यामसिंह खेती के साथ राजमिस्त्री का काम कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं। सीमित आय के कारण उनका परिवार वर्षों तक कच्चे मकान में रहने को विवश था। बरसात के दिनों में टपकती छत, तेज हवाओं का डर और हर मौसम में परिवार की सुरक्षा की चिंता उनके जीवन का हिस्सा बन चुकी थी। ऐसे कठिन समय में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) उनके जीवन में उम्मीद की नई किरण बनकर आई। योजना के तहत मिली आर्थिक सहायता ने उस सपने को आकार देना शुरू किया, जिसे वे वर्षों से अपने मन में संजोए हुए थे। सबसे अच्छी बात यह रही कि एक मिस्त्री होने के नाते उन्होंने अपना घर किसी और से नहीं, बल्कि अपने ही हाथों से तैयार किया। उन्होंने बताया कि मैं वर्षों से दूसरों के लिए पक्के मकान बनाता आया हूँ। जब भी किसी का घर तैयार करता था, तब मन में यही इच्छा होती थी कि एक दिन मेरा भी अपना पक्का घर हो। प्रधानमंत्री आवास योजना ने मेरा यह सपना सच कर दिया। आज मैंने अपने हाथों से अपने परिवार के लिए सुरक्षित और मजबूत घर बनाया है। उनके लिए यह एक मकान नहीं था, बल्कि वर्षों के संघर्ष, मेहनत और उम्मीदों का साकार रूप था। अब उनका परिवार नए पक्के मकान में सम्मान और सुरक्षा के साथ रह रहा है। बारिश की रातों में छत टपकने का डर नहीं है, और तेज हवाओं के साथ घर टूटने की चिंता भी खत्म हो गई है।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजनारू दंतेवाड़ा के 84 युवाओं को NMDC में मिला इंटर्नशिप का अवसर

हर महीने मिलेगा 9 हजार रूपए का वजीफा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तहत छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के 84 युवाओं के लिए रोजगार और कौशल विकास की राह आसान हो गई है। इन युवाओं को देश की प्रतिष्ठित नवरत्न कंपनी राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (ह्रूष्ठष्ट) में निःशुल्क व्यावहारिक प्रशिक्षण (इंटर्नशिप) प्राप्त करने का सुनहरा अवसर मिला है। शनिवार को लाइवलीहुड कॉलेज दंतेवाड़ा में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के दौरान सभी चयनित युवाओं को उनके नियुक्ति-पत्र सौंपे गए। यह कार्यक्रम जिला प्रशासन, जिला रोजगार विभाग और माई भारत संगठन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया था।

विधायक ने उज्ज्वल भविष्य की कामना की: कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक श्री चैतराम अटामी ने चयनित युवाओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह पहल जिले के युवाओं को मुख्यधारा के रोजगार से जोड़ने और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बेहद महत्वपूर्ण और प्रभावी कदम है।

जशपुर में मातृभाषा आधारित शिक्षा को बढ़ावा, नींव कार्यक्रम से सादरी भाषा में होगी बुनियादी पढ़ाई

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में स्थानीय भाषा के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की दिशा में अभिनव पहल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप मातृभाषा आधारित शिक्षण को बढ़ावा देने की दिशा में जशपुर जिले में नींव (छम्म्ट) बहुभाषी शिक्षा कार्यक्रम प्रारंभ किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्राथमिक शिक्षा को अधिक प्रभावी, समावेशी और बाल-केंद्रित बनाने के उद्देश्य से शुरू किए जा रहे इस कार्यक्रम का संचालन राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (ैब्म्त्ज) के नेतृत्व में, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (क्प्म्ज), जशपुर के मार्गदर्शन तथा लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन (स्स्थ), नई दिल्ली के सहयोग से किया जाएगा। कार्यक्रम के अंतर्गत जशपुर जिले के कुनकुरी और बगीचा विकासखंड के 202 प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 1 एवं 2 के विद्यार्थियों को उनकी मातृभाषा सादरी के माध्यम से प्रारंभिक शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। इसका उद्देश्य बच्चों की घर की भाषा और विद्यालय की भाषा के बीच सहज सेतु तैयार करना है, जिससे वे विषय-वस्तु को बेहतर ढंग से समझ सकें और सीखने के प्रति उनका आत्मविश्वास बढ़े। कार्यक्रम को स्थानीय परिवेश से जोड़ने के लिए क्प्म्ज, जशपुर के मार्गदर्शन में शिक्षकों द्वारा विशेष रूप से सादरी भाषा में शिक्षण सामग्री विकसित की गई है। इन सामग्रियों में स्थानीय संस्कृति, लोककथाओं, परिवेश और जीवन अनुभवों को समाहित किया गया है। बिग बुक, चित्र चार्ट, कविता पोस्टर, अभ्यास पुस्तिकाएं तथा कविता-कहानी संग्रह जैसी सामग्री तैयार की गई है। इन सभी शैक्षणिक संसाधनों की अंतिम अकादमिक समीक्षा क्प्म्ज् के विशेषज्ञों द्वारा 7 जुलाई 2026 को पूर्ण की जा चुकी है। कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए चयनित विद्यालयों के शिक्षकों को प्रशिक्षित करने हेतु 20 सदस्यीय जिला स्रोत समूह (क्ूळ) का गठन किया गया। इस समूह का चार दिवसीय प्रशिक्षण एवं कार्यशाला 8 से 11 जुलाई 2026 तक क्प्म्ज, जशपुर में आयोजित की गई। प्रशिक्षण में बहुभाषी शिक्षा के सिद्धांतों, सादरी भाषा में विकसित शिक्षण सामग्री के प्रभावी उपयोग तथा गतिविधि आधारित शिक्षण पद्धतियों पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रदर्शन और समूह गतिविधियों के माध्यम से कक्षा शिक्षण की नवीन तकनीकों से भी परिचित कराया गया। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर क्प्म्ज् जशपुर के प्राचार्य श्री एम.जेड.यू. सिद्दीकी ने कहा कि यह कार्यक्रम जशपुर के बच्चों के सीखने की प्रक्रिया को अधिक सहज ,प्रभावी और आत्मविश्वासपूर्ण बनाएगा।

सिद्धखोल जलप्रपात में ईको-टूरिज्म प्रबंधन से संवर रही स्थानीय ग्रामीणों की आजीविका

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बलौदाबाजार जिले का प्रसिद्ध सिद्धखोल जलप्रपात इन दिनों पर्यटकों के आकर्षण का मुख्य केंद्र बना हुआ है। वन विभाग के मार्गदर्शन में स्थानीय संयुक्त वन प्रबंधन समिति कुकरीकोना द्वारा यहां संचालित किए जा रहे ईको-टूरिज्म प्रबंधन ने न केवल वनों और पर्यावरण के संरक्षण की एक नई मिसाल पेश की है, बल्कि स्थानीय आदिवासी व ग्रामीण परिवारों के लिए आजीविका का एक सशक्त माध्यम भी बनकर उभरा है।स्थानीय समिति के युवाओं को मिल रहा रोजगार-कुकरीकोना समिति द्वारा स्थानीय ग्रामीण युवाओं को जोड़कर एक %पर्यटन समूह% का गठन किया गया है। ये प्रशिक्षित युवा जलप्रपात क्षेत्र में आने वाले पर्यटकों का मार्गदर्शन करते हैं तथा मानसून के दौरान जलप्रपात के समीप चिन्हित संवेदनशील एवं खतरनाक स्थलों पर मुस्तैद रहकर सैलानियों की सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे हैं। आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए समिति के काउंटर पर प्राथमिक चिकित्सा किट की भी पुख्ता व्यवस्था की गई है।प्लास्टिक मुक्त और ईको-फ्रेंडली पर्यटन प्रतिमान-सिद्धखोल के संवेदनशील वनक्षेत्र को पूरी तरह स्वच्छ और प्लास्टिक-मुक्त बनाए रखने के लिए कुकरीकोना समिति द्वारा कड़े कदम उठाए जा रहे हैं। प्रवेश द्वार पर पानी की प्लास्टिक बोतलों के लिए ?50 का रिफंडेबल चार्ज लिया जाएगा, जिसे पर्यटकों द्वारा बोतल सुरक्षित वापस लाने पर तुरंत लौटा दिया जाएगा।

महतारी वंदन योजना:बालोद जिले की महिलाओं को मिली 29वीं किस्त की सौगात

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना के तहत मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने योजना की 29वीं किस्त की राशि सीधे महिलाओं के बैंक खातों में अंतरित की। राशि प्राप्त होने के बाद बालोद जिले की लाभार्थी महिलाओं में खुशी का माहौल है। महिलाओं ने योजना को आर्थिक संबल देने वाली महत्वपूर्ण पहल बताते हुए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। बालोद जिले के विभिन्न ग्रामों की महिलाओं ने बतांया कि योजना के माध्यम से प्रतिमाह मिलने वाली राशि उनके परिवार की जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इससे बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, घरेलू आवश्यकताओं और छोटे-छोटे स्वरोजगार संबंधी कार्यों में आर्थिक सहायता मिल रही है। योजना ने महिलाओं के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ उन्हें आर्थिक रूप से अधिक सशक्त बनाया है। बघमरा की श्रीमती देवकी विश्वकर्मा ने बताया कि उन्हें 29वीं किस्त की राशि प्राप्त हो चुकी है। वे इस राशि का उपयोग घर के दैनिक खर्च, बच्चों की पढ़ाई, दवाइयों की खरीद तथा सिलाई-कढ़ाई के कार्यों में करती हैं। ग्राम जगन्नाथपुर की श्रीमती जामवंती विश्वकर्मा ने कहा कि हर महीने मिलने वाली यह सहायता उनके परिवार के लिए बड़ा सहारा बन गई है। वहीं ग्राम ओरमा की श्रीमती राधिका सोनवानी ने बताया कि योजना से मिलने वाली राशि से वे अपने बच्चों की स्कूल फीस जमा कर पा रही हैं, जिससे परिवार को आर्थिक राहत मिली है लाभार्थी महिलाओं ने अपने मोबाइल पर प्राप्त राशि का संदेश दिखाते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ परिवार के भरण-पोषण, बच्चों की शिक्षा और विपरीत परिस्थितियों में सम्मानपूर्वक जीवनयापन के लिए मजबूत आधार प्रदान कर रही है।

धान की रोपाई में आधुनिकता का समावेशपैडी ट्रांसप्लांटर मशीन से किसानों को मिली बड़ी राहत

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। पैडी ट्रांसप्लांटर (धान रोपने वाली मशीन) का उपयोग खेतों में धान की रोपाई के लिए किया जाता है स यह मशीन पौधों को सही दूरी और समान गहराई पर मिट्टी में लगाती है, जिससे मजदूरों की भारी बचत होती है और पैदावार में 10-20 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी दर्ज की जाती है। बालोद जिले में आधुनिक कृषि तकनीकों का दायरा तेजी से बढ़ रहा है।

गादीरास में लगा मेगा मेडिकल कैंप, दूरस्थ ग्रामीणों को घर के पास मिली विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएं

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। ग्रामीण और सुदूर इलाकों में आयोजित होने वाले निःशुल्क मेगा मेडिकल कैंप (Mega Medical Camps) आर्थिक रूप से कमजोर और दूरदराज के मरीजों के लिए एक वरदान साबित होते हैं द्य ये शिविर गाँव के दरवाजे तक उच्च-स्तरीय चिकित्सा, विशेषज्ञ परामर्श, मुफ्त दवाइयाँ और गंभीर बीमारियों की प्रारंभिक जाँच सीधे पहुँचाकर ग्रामीणों को बड़ी राहत देते हैं सुदूर वनांचल के सुकमा जिले के दूरस्थ ग्राम पंचायत गादीरास में जिला प्रशासन की पहल से आयोजित निःशुल्क मेगा मेडिकल कैंप ग्रामीणों के लिए बड़ी राहत साबित हुआ। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सशक्त नेतृत्व और जिले के प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में कलेक्टर श्री अमित कुमार की विशेष पहल पर आयोजित इस शिविर में 447 ग्रामीणों को विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाएं और निःशुल्क स्वास्थ्य जांच का लाभ मिला।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने किसानों को वितरित किए शेयर प्रमाण पत्र

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना से जुड़े 4 हजार 691 गन्ना उत्पादक किसानों के लिए रविवार ऐतिहासिक दिन बन गया। वर्षों से अंशधारी सदस्य बनने की प्रतीक्षा कर रहे इन किसानों को नवीन अंशधारी सदस्य बनाते हुए उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने शेयर प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कवर्धा के पीजी कॉलेज डोम में आयोजित कृषक संगोष्ठी एवं प्रमाण पत्र वितरण समारोह में उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने किसानों को प्रमाण पत्र सौंपते हुए कहा कि यह पहल किसानों को सहकारिता की मजबूत भागीदारी से जोड़ते हुए उनकी आय बढ़ाने और क्षेत्र में गन्ना उत्पादन को नई गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। गन्ना बेचने वाले ऐसे 4 हजार 691 किसानों को आज शेयर प्रमाण पत्र वितरित उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि भोरमदेव शक्कर कारखाना में गन्ना बेचने वाले ऐसे 4 हजार 691 किसानों को आज शेयर प्रमाण पत्र दिए गए, जो अब तक अंशधारी सदस्य नहीं थे। उन्होंने कहा कि इन किसानों ने बिना शेयरधारक बने भी फैक्ट्री को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसी योगदान को सम्मान देते हुए उन्हें आज कारखाना का अंशधारी सदस्य बनाया गया है। उन्होंने बताया कि पिछले पेराई सत्र में फैक्ट्री में 2 लाख 55 हजार 818 मीट्रिक टन गन्ने की पेराई हुई थी। वर्तमान में फैक्ट्री के लगभग 23 हजार शेयरधारक हैं। वहीं, 4,691 गैर-अंशधारी किसानों ने भी गन्ना विक्रय किया था। इन्हीं किसानों को अब शेयर प्रमाण पत्र देकर कारखाना की सदस्यता प्रदान की गई है। गन्ना बोनस बढ़ाने के लिए भी सकारात्मक प्रयास उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यह फैक्ट्री किसानों की अपनी फैक्ट्री है और इसे आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी भी किसानों की है। उन्होंने कहा कि यदि किसान संकल्प लेकर इस वर्ष साढ़े चार लाख मीट्रिक टन गन्ने की आपूर्ति करेंगे, तो फैक्ट्री और मजबूत होगी। इससे किसानों को एफआरपी का समय पर भुगतान, बेहतर रिकवरी और भविष्य में अधिक लाभांश मिलने की संभावना भी बढ़ेगी। उन्होंने गन्ना बोनस बढ़ाने के लिए भी सकारात्मक प्रयास किए जाने की बात कही। गन्ना विक्रय करने अंशधारी सदस्यों को मिल सकेगा अन्य सुविधाओं का लाभ उप मुख्यमंत्री ने किसानों से अधिक से अधिक गन्ना उत्पादन करने, नए किसानों को अनुबंध के लिए प्रेरित करने और फैक्ट्री को मजबूत बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना में नियमित रूप से गन्ना विक्रय करने के साथ-साथ अंशधारी सदस्यों को मिलने वाली अन्य सुविधाओं का भी लाभ मिल सकेगा।

बदली बिलाईगढ़ के तिहारूराम की तकदीर 4 लाख रूपए के अनुदान से मिला ट्रैक्टर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। आधुनिक दौर में खेती-किसानी को उन्नत और मुनाफे का सौदा बनाने में कृषि यंत्रों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण हो चुकी है। राज्य शासन की कृषि यंत्रीकरण योजना आज छोटे और मझोले किसानों के लिए वरदान साबित हो रही है। इसका एक जीवंत उदाहरण विकासखण्ड बिलाईगढ़ के ग्राम गधाभाटा में देखने को मिला है, जहाँ के प्रगतिशील कृषक तिहारूराम चंद्रा पिता जगनथिया का खुद का ट्रैक्टर खरीदने का सपना साकार हुआ है। ग्राम झुमका में आयोजित भव्य सुशासन शिविर में प्रभारी मंत्री श्री टंकराम वर्मा के करकमलों से तिहारूराम को उनके नए ट्रैक्टर की चाबी सौंपी गई। ट्रैक्टर का 9.40 लाख रूपए की कुल लागत पर तिहारूराम को राज्य शासन की ओर से 4 लाख रूपए का भारी शासकीय अनुदान प्राप्त हुआ है। इस पर तिहारूराम ने कहा कि कम जमीन और सीमित साधनों के कारण पहले समय पर खेती का काम पूरा करना एक बड़ी चुनौती थी। भारी-भरकम किराए पर ट्रैक्टर लेना पड़ता था।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा